





*अपनी पीड़ा सह लेना और दूसरे जीवों को पीड़ा न पहुंचाना, यही तपस्या का वास्तविक स्वरूप है।*

*– संत तिरुवल्लुवर*

## सद्भाव का तकाजा

दुनिया भर में भारत को विविधताओं से भरी सांस्कृतिक छवियों वाले एक ऐसे देश के रूप में देखा-जाना जाता है, जहां अलग-अलग धर्मों के लोग आपसी सद्भाव के साथ रहते और एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होते आए हैं। मगर हाल के वर्षों में कुछ खास त्योहारों के ठीक पहले जिस तरह द्वेष का माहौल पैदा करने की कोशिश की जाने लगी है, वह न केवल देश में सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है, बल्कि मानवीय तकाजों के भी विरुद्ध है। क्रिसमस को ईसाई धर्म से जुड़े लोगों का त्योहार माना जाता है, लेकिन इसमें आमतौर पर देश में सभी धर्मों के लोग उत्साह के साथ शामिल होते रहे हैं। विडंबना यह है कि अब कुछ असामाजिक तत्त्व क्रिसमस के मौके पर देश के ईसाई समुदाय के लोगों को निशाना बनाने लगे हैं और इसका सीधा नुकसान देश की छवि को हो रहा है। गौरतलब है कि इस वर्ष फिर क्रिसमस के मौके पर छत्तीसगढ़ और असम सहित कुछ राज्यों में ईसाई समुदाय के प्रार्थना स्थलों और अन्य जगहों पर दक्षिणपंथी समूहों ने हमला किया और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ मचाई।

सवाल है कि वे कौन लोग हैं, जो सद्भाव के माहौल में नफरत घोलना चाहते हैं और उन्हें देश के अल्पसंख्यक या अन्य समुदायों के पर्व-त्योहार से परेशानी होने लगी है। क्या मानवीयता के मूल्यों को अपनी आस्था का सबसे अहम पक्ष मानने वाला कोई भी व्यक्ति किसी अन्य समुदाय के त्योहार से इस कदर दुश्मनी रख सकता है? सद्भाव या सौहार्द के साथ किसी धार्मिक उत्सव को मनाए जाने से किसे दिक्कत हो सकती है? केवल निराधार आरोपों का हवाला देकर किसी ऐसे त्योहार पर अराजकता फैलाने का क्या मकसद हो सकता है, जिसमें देश के सभी धर्मों के लोग या तो सहज रहते हैं या फिर उसमें शामिल होते हैं? कथित धर्म परिवर्तन के आरोप अगर लगाए भी जाते हैं, तो इस मसले पर सरकार और प्रशासन अपना काम करेंगे या कुछ अराजक और असामाजिक तत्त्वों को अपनी ओर से हिंसा करने की छूट मिल जाती है? किसी समुदाय के भीतर डर पैदा करके किस तरह से धर्म की सेवा की जा सकती है?

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी भी बहाने से अन्य धार्मिक समूहों के खिलाफ हिंसा करना या तोड़फोड़ मचाना वास्तव में अपने ही देश की सांस्कृतिक छवि को नकारात्मक बनाना है। अगर इस तरह की प्रवृत्तियों को तुरंत नहीं रोका गया, तो इससे आपसी सद्भाव का माहौल बिगड़ाने की आशंका पैदा होगी। इतना तय है कि देश के संविधान का सम्मान करने वाली सरकार और ज्यादातर संवेदनशील लोग धर्म के नाम पर टकराव तथा तनाव पैदा करने की कोशिशों का समर्थन नहीं करते। यही वजह है कि कई जगहों पर क्रिसमस पर उत्पात मचाने वालों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया। यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि किसी भी पर्व-त्योहार के मौके पर सांप्रदायिकता फैलाने वाले तत्त्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। विचित्र यह भी है कि क्रिसमस के मौके पर एक ओर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईसाई समुदाय के साथ मेलजोल, शांति और सद्भाव का संदेश दे रहे थे, तो दूसरी ओर कुछ असामाजिक तत्त्व तोड़फोड़ और अराजकता फैलाने में लगे थे। देश में सभी धर्मों के पर्व-त्योहारों के अवसर पर सौहार्द तथा सद्भाव की जो परंपरा रही है, उसे बचाने और मजबूत करने के लिए सरकार और समाज को एक बार फिर ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

## पढ़ने को प्रोत्साहन

पढ़ने की संस्कृति व्यक्ति के बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाती है। इससे हमारे जेहन में शब्दों के संग्रहण का विस्तार होता है, आलोचनात्मक सोच विकसित होती है और रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलता है, जो हमें समाज में एक जिम्मेदार और विवेकपूर्ण नागरिक बनता है। मगर आज के डिजिटल तकनीक के दौर में खासकर बच्चे और युवाओं की अंगुलियां पुस्तक के पन्नों को पलटने के बजाय मोबाइल फोन और लैपटाप पर ही चलने लगी हैं। यह वास्तव में चिंता का विषय है। अब उत्तर प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों में पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत राज्य के स्कूलों में हिंदी और अंग्रेजी के प्रमुख समाचार पत्र उपलब्ध कराने तथा सुबह की प्रार्थना सभा में कम से कम दस मिनट का समय विद्यार्थियों द्वारा इन्हें पढ़ने के लिए निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष जून में सरकारी स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों के समाचार पत्र पाठ की व्यवस्था लागू की गई थी। इस पहल को अब उत्तर प्रदेश सरकार ने आगे बढ़ाया है। इसके तहत विद्यार्थी प्रतिदिन राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और खेल समाचारों के साथ-साथ प्रमुख संपादकीय भी पढ़ेंगे। साथ ही विद्यार्थी अखबारों से पांच कठिन शब्द चुनकर उन्हें सूचना पट्ट पर प्रमुखता से प्रदर्शित करेंगे। यह व्यवस्था कई मायनों में महत्वपूर्ण है। इससे न केवल विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान, शब्दावली, रचनात्मकता और संवाद कौशल विकसित होगा, बल्कि उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर ढंग से तैयारी करने में भी मदद मिलेगी। पढ़ने की संस्कृति अगर फिर से बच्चों की आदत में शुमार हो जाए, तो मोबाइल या लैपटाप की स्क्रीन पर जरूरत से ज्यादा समय बिताने की उनकी प्रवृत्ति भी धीरे-धीरे कम हो सकती है। मगर, यह पहल तभी सार्थक होगी, जब इसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सही मायने में धरातल पर उतारा जाएगा और इसकी निरंतरता को बनाए रखा जाएगा। इसके साथ-साथ सरकारी पुस्तकालयों में भी विद्यार्थियों की आसान पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए।

# ऊर्जा की जरूरतों का हरित विकल्प

हरित हाइड्रोजन में कार्बन उत्सर्जन कम करने और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की अपार क्षमता है। यह परिवहन और उद्योग में पारंपरिक जीवाश्म ईंधन की जगह ले सकता है, जो ऊर्जा का एक निरंतर और विश्वसनीय स्रोत होगा।

### अखिलेश आर्येदु

केंद्र सरकार ऊर्जा की कमी को पूरा करने के लिए हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा दे रही है। सरकार का लक्ष्य है, हर वर्ष 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन के जरिए ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करना। गौरतलब है हरित हाइड्रोजन उद्योग जिस तरह बड़े पैमाने पर स्थापित हो रहे हैं, ऐसे में उच्च क्षमता वाला बिजली उत्पादन और विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा की आपूर्ति हासिल करना मुश्किल नहीं होगा। वर्तमान में वैश्विक हाइड्रोजन आपूर्ति के लिए जो विधि उपयोग में लाई जा रही है, वह सुगम और सस्ती है। मगर वहीं पर हाइड्रोजन ऊर्जा की आपूर्ति के आंकड़े वर्तमान में सीमित हैं, क्योंकि दुनिया में करीबन 96 फीसद हाइड्रोजन हाइड्रोकार्बन से पैदा होती है। इसमें महज तकरीबन चार फीसद बिजली के इलेक्ट्रोलिसिस (विद्युत अपघटन) द्वारा तैयार की जाती है। भारत सरकार चाहती है कि जब तक हर गांव और बाजार-मुहल्ले की ऊर्जा जरूरतें इसके जरिए न पूरी होने लगें, तब तक इसके लिए लगातार कोशिश करते रहना चाहिए। इससे जागरूकता आएगी और लोग हाइड्रोजन ईंधन की महत्ता को भी समझने लगेंगे।

हाइड्रोजन आने वाले वक्त का ऊर्जा आपूर्ति का आधार बनेगा। हरित हाइड्रोजन में कार्बन उत्सर्जन कम करने और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की अपार क्षमता है। यह परिवहन और उद्योग में पारंपरिक जीवाश्म ईंधन की जगह ले सकता है, जो ऊर्जा का एक निरंतर और विश्वसनीय स्रोत होगा। कह सकते हैं कि जीवाश्म ईंधन में कमी लाने वाला ऊर्जा विकल्प का सबसे बेहतर स्रोत हरित हाइड्रोजन बनने जा रहा है। आने वाले समय में शायद हर क्षेत्र में इसका इस्तेमाल होगा। जिंदगी को अधिक सुगम बनाने के लिए इसका उपयोग समाज के प्रत्येक वर्ग की जिंदगी को प्रभावित करेगा।

उत्तर प्रदेश जैसे कुछ बड़े राज्य स्वच्छ किफायती और टिकाऊ ऊर्जा के लिए बड़े सौर पार्क, हरित हाइड्रोजन, विकेंद्रीकृत ऊर्जा, और माइक्रो ग्रिड के जरिए ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने पर खास जोर दे रहे हैं। राज्य सरकार ने 2047 तक इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों के साथ मिल कर आगे की कार्ययोजना तैयार की है। इसी तरह की योजना देश के सभी राज्यों को तैयार करनी होगी, क्योंकि कार्बन-मुक्त ऊर्जा पैदा करने के लिए जैव ऊर्जा सबसे किफायती है। इससे बेहतर दूसरा कोई विकल्प नहीं है। हरित हाइड्रोजन में कई संभावनाएं छिपी हैं।

दरअसल, ऊर्जा क्षेत्र में कमी को पूरा करने के लिए सरकार हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा दे रही है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार वैश्विक क्षमताओं के बीच भारत को अपने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन के मिशन के माध्यम से 2030 तक 50 लाख टन (एमएमटी) वार्षिक हरित हरित हाइड्रोजन क्षमता हासिल करने के लिए मेहनत करनी होगी। इसके लिए केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2030 तक राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन लागू करने के लिए 19.744 करोड़ का प्रत्यक्ष मंजूर कर चुकी है। इससे देशभर में हाइड्रोजन ईंधन को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पारंपरिक जीवाश्म ईंधन की जगह ले सकता है, जो ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

# वेदना से चेतना तक

### रामानुज पाठक

मनुष्य का जीवन केवल घटनाओं की शृंखला नहीं है, बल्कि अनुभूतियों की एक सतत् और गहन यात्रा है। इस यात्रा में सुख जितना क्षणिक होता है, वेदना उतनी ही गहरी और स्थायी अनुभूति के रूप में सामने आती है। संघर्ष, असफलता, हानि और अपूर्णता– ये सभी जीवन को केवल चुनौती नहीं देते, बल्कि उसके अर्थ पर प्रश्न भी खड़े करते हैं। प्रत्येक अनुभव अपने भीतर वेदना का बीज लिए होता है, लेकिन यह वेदना स्वयं में लक्ष्य नहीं है। उसका वास्तविक मूल्य तभी प्रकट होता है, जब वह चेतना में रूपांतरित हो जाती है।

चेतना वह दृष्टि है, जो वेदना को केवल सहने योग्य नहीं, बल्कि समझने योग्य बनाती है। बिना चेतना के वेदना अंधकार है– दिशाहीन, बोझिल और अर्थहीन। मगर चेतना के स्पर्श से वही वेदना आत्मबोध, विवेक और जीवनदर्शन का स्रोत बन जाती है। इतिहास, दर्शन और मानव अनुभव बार-बार इस सत्य की पुष्टि करते हैं कि केवल पीड़ा से महानता नहीं जन्म लेती, बल्कि पीड़ा को समझने की क्षमता से मनुष्य ऊंचा उठता है। इसी गहन सत्य की अभिव्यक्ति है- यह कथन– ‘वेदना बगैर चेतना दुर्लभ है।’

दार्शनिक दृष्टि से वेदना केवल पीड़ा नहीं, बल्कि जीवन की पूंछ है। वह हमारे भीतर प्रश्न, जिज्ञासा और आत्मनिरीक्षण को जन्म देती है। चेतना ही वह माध्यम है, जो वेदना को साधारण अनुभव से ऊपर उठाकर व्यक्तित्व, विवेक और जीवन दर्शन में रूपांतरित करती है। महात्मा बुद्ध ने जीवन की सार्वभौमिक पीड़ा– जन्म, मृत्यु, रोग और वृद्धावस्था– का साक्षात्कार कर उसे करुणा और आत्म-ज्ञान की चेतना में बदला। इस प्रकार महर्षि पतंजलि ने चित्त-वृत्तियों के संघर्ष को योगदर्शन में रूपांतरित किया और आदिकवि वाल्मीकि ने अपने जीवन की हिंसा और अवमानना को करुणा तथा काव्य की चेतना में ढाल दिया।

इतिहास में अनेक ऐसे प्रसंग मिलते हैं जहां पराजय, अपमान और कष्ट केवल दुःख बनकर नहीं रुके, बल्कि चेतना का स्रोत बने। युनानी दार्शनिक सुकरात ने मृत्यु-दंड को भी सत्य और विवेक की साधना में बदल दिया। कबीर ने सामाजिक तिरस्कार और उपेक्षा को आत्मबोध तथा निर्भीक वैचारिक चेतना का माध्यम बनाया। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि चेतना वेदना से पलायन नहीं सिखाती, बल्कि उसे समझकर पार करने की शक्ति देती है। जीवन में प्रत्येक चुनौती, असफलता और कठिनाई वेदना का अनुभव कराती है– चाहे वह शारीरिक चोट हो, मानसिक संताप, सामाजिक असमानता या आर्थिक हानि। अगर इन अनुभवों को केवल दुःख या शिकायत के रूप में स्वीकार कर लिया जाए, तो



हरित हाइड्रोजन पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बताया गया कि भारत निर्धारित लक्ष्य हासिल कर लेगा। यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत भारत ने 2030 तक हरित हाइड्रोजन की वार्षिक उत्पादन क्षमता जोड़ने की वार्षिक

दुनियाभर में परिवहन, पतन और स्टील सहित कई क्षेत्रों को कार्बन-मुक्त करने के लिए हाइड्रोजन की मांग तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में हाइड्रोजन का बड़ा भंडार है, जिसे 200 वर्ष से ज्यादा समय तक जरूरी ऊर्जा के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि हाइड्रोजन का इस्तेमाल नए आविष्कारों के जरिए घरेलू इस्तेमाल के लिए जल्द ही सुलभ हो सकता है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ने की वार्षिक आवश्यकता के बारे में बताया गया कि भारत बिजली खरीद या बिक्री समझौतों पर हस्ताक्षर के लिए पहले से ही लंबित 40 गीगावाट क्षमता पर ध्यान केंद्रित करेगा।

उत्पादन क्षमता 50 लाख टन रखी है। इससे यह अनुमान लगाया गया है कि ऊर्जा की कमी जिन क्षेत्रों में दिखाई दे रही है, उन सभी क्षेत्रों में इसका

### निष्पक्षता का सवाल

‘पा रवर्शिता का तकाजा’ (संपादकीय, 22 दिसंबर) पढ़ा। मतदाता सूची केवल नामों का संकलन नहीं, बल्कि नागरिकता, अधिकार और लोकतंत्र में विश्वास का जीवत दस्तावेज है। मगर आज वही सूची सत्ता, संदेश और संस्थागत अविश्वास के केंद्र में खड़ी दिखाई देती है। अनेक राज्यों में विशेष गहन पुरीक्षण के क्रम में लाखों लोगों के नाम जिस तरह मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं, उसने कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। हटाए गए नामों का अपने स्तर पर सत्यापन कराने की घोषणा साधारण प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि चुनाव आयोग पर घटते विश्वास का संकेत है। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब एक निर्वाचित सरकार को यह आशंका सताने लगे कि संवैधानिक संस्था की ओर से अपनाई जा रही प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं है। सवाल यह है कि आखिर वह भरोसा क्यों टूटा, जिस पर चुनावी व्यवस्था टिकी रही। मतदाता सूची से नाम हटाने का औचित्य यह बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में लोग पात्र नहीं हैं या दस्तावेज समय पर नहीं दे सके। सवाल यह है कि यदि वे अब अपात्र घोषित किए जा रहे हैं, तो वे वर्षों तक सूची में किस आधार पर रहे?

– *मो अजहर आलम अंसारी, पूर्णिया*

### बोझ का सफर

रेलवे ने अलग-अलग श्रेणियों में किराए में बढ़ोतरी कर दी है। इससे सरकार को छह सौ करोड़ रुपए सालाना अतिरिक्त आमदनी होने की संभावना है। मासिक सीजन टिकटों को बढोतरी से दूर रखा गया है। पहली बार ऐसा देखने में आया है कि पैसे में किराया बढ़ाया गया है, जबकि अक्सर एक या इससे अधिक रुपए बढ़ाए गए। लेकिन जब एक-दो पैसे बढ़ने से ही करोड़ों रुपए की कमाई बढ़ जाती है, तब पेट्रोल-डीजल, गैस व अन्य रोजमर्रा

### वक्त की रफ्तार

रफ्तार की भी अपनी सीमा है। मगर अब ऐसा नहीं लगता। एक समय था जब लगाता था कि समय धीमी गति से चल रहा है। हर दिन बड़ा लगता था। बहुत सारे काम करने के बाद भी समय बच जाता था। कई बार तो ऐसा लगता था कि दिन कैसे निकलेगा। मगर अब सब कुछ उल्टा हो गया है। समय ने रफ्तार पकड़ ली है। दिन छोटे लगने लगे हैं। महीने अब वही इतनी जल्दी गुजर रहे हैं कि अभी हमारे काम ही अधूरे छूट रहे हैं और हम जो

### संकट में अरावली

अरावली पर्वतमाला भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह उत्तर भारत में पर्यावरणीय संतुलन की रीढ़ भी है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पहाड़ियां मरुस्थलीकरण को रोकने और जैव विविधता को संरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। आज अरावली गंभीर संकट का सामना कर रही है। खनन माफिया और अनियंत्रित शहरीकरण ने अरावली को खोखला कर दिया है। हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली-एनसीआर में अवैध खनन के कारण पहाड़ियां नष्ट हो रही हैं। जलस्रोत सूख रहे हैं और वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। अरावली के कमजोर होने का सीधा असर दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और जल संकट के रूप में सामने आ रहा है। सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकार समय-समय पर अरावली संरक्षण के निर्देश देते रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका प्रभाव सीमित रहा है।

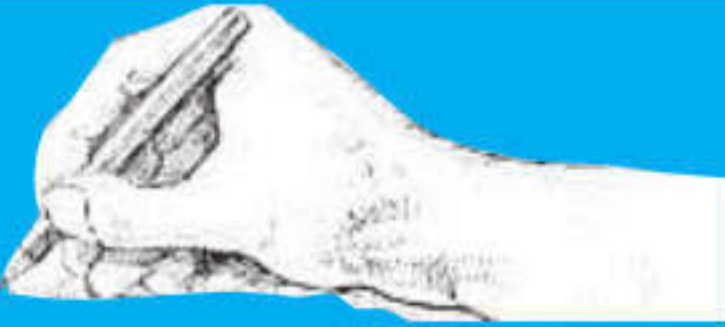
– *हिमांशु शोकर, गयाजी*





# राजकाज

## जनसत्ता | 27 दिसंबर, 2025



बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया लंबे समय तक राजनीतिक निर्वासन में रही हैं। अब उनके पुत्र तारिक रहमान 17 वर्षों बाद बांग्लादेश लौटे हैं, जिसे वैश्विक मीडिया व राजनीतिक विश्लेषकों ने काफी तवज्जो दी है। जब बांग्लादेश राजनीतिक रूप से असामान्य परिस्थितियों से गुजर रहा है तो तारिक रहमान की राजनीतिक ऊर्जा को देखते हुए उन्हें बांग्लादेश का भविष्य बताया जा रहा है। कानूनी मामलों के कारण तारिक लंबे समय तक अपने देश से निर्वासित रहे।



7

जगह, वाशिंगटन डीसी और पत्रकारों से मुखातिब थीं निर्मला सीतारमण। इतने अहम मंच से पत्रकारों ने भारतीय वित्त मंत्री से डालर के मुकाबिल रुपए के लगातार कमजोर होने के बाबत सवाल पूछे थे। जब अमेरिका तक रुपए का गिरना मुद्दा बन चुका था, तब भारतीय वित्त मंत्री का जवाब था—मैं इसे ऐसे नहीं देखती हूं कि रुपया गिर रहा है, बल्कि ऐसे देखती हूं कि डालर मजबूत हो रहा है...। किसी देश की सत्ता का चरित्र इस बात से तय होता है कि वह स्वीकार की स्थिति में रहती है, या नकार की स्थिति में। विदेशी

## बेबाक बोल

# नामुमकिन

### मुकेश भारद्वाज

‘हिंदी नहीं सीखी? क्यों नहीं सीखी? अगर एक महीने में हिंदी नहीं सीखी तो पाकें छीन दो इनसे।’ भारत की विदेश

नीति किस हाल में है, उसे समझने की कोशिश सरकार की छोटी इकाई से करते हैं। ये विश्व गुरु सरीखे भाव वाले वाक्य हैं भाजपा पार्षद रेणु चौधरी के। देश की राजधानी दिल्ली में महिला पार्षद इस तरह की धमकी एक अप्रीकी नागरिक को दे रही हैं। उनकी धमकी में जिस तरह के दिशानिर्देश हैं, क्या भारतीय संविधान उन्हें इसकी इजाजत देता है?

दक्षिण अप्रीकी व्यक्ति शायद अंग्रेजी बोल रहा होगा। अब जरा स्थिति को उलट कर देखिए। कल को पार्षद साहिबा को दक्षिण अप्रीका के किसी शहर में जाना पड़े और उनसे कहा जाए कि वहां की स्थानीय भाषा में बात नहीं करने पर आप पर कार्रवाई होगी, तो उनकी क्या हालत होगी। अगर उन्हें दक्षिण अफ्रीका के विभिन्न क्षेत्रों की अलग-अलग भाषा सीखने के लिए मजबूर होना पड़े तो शायद वे देश से बाहर पांव निकालने की सोचने से भी तंबा कर लेगी। हालांकि रेणु चौधरी ने इसके लिए माफ़ी मांग ली है, लेकिन चिंता की बात है कि जनप्रतिनिधि ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं? नफरत के वीडियो का जिस तरह संक्रामक प्रसार होता है, वहां बाद का माफ़ीनामा देब जाता है।

विदेश नीति जैसी बड़ी बात हम छोटे उदाहरणों से कर रहे हैं। आदर याचना से नहीं कम से प्राप्त होता है। कोई अमीर आदमी सड़क चलते किसी आदमी से जाकर कहे, सुनो मुझे आदर दो, तो निश्चित रूप से सामने वाले की आंखों में ऐसी मांग करने वाले के लिए हास्य या घृणा के भाव पैदा होंगे। इसी तरह न तो किसी भाषा और न किसी देश के प्रति जबर्न आदर पैदा करवाया जा सकता है। भाषा हो या देश, जिसमें जितनी समरसता होगी वह उतना ही आदरणीय होगा।



दीपू चंद्र दास

विदेश नीति पर भी आम राजनीति वाला या तो अहंकार या घृणा वाला परिदृश्य हावी हो चुका है। पिछले दिनों दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्राध्यक्षों में से एक व्लादिमीर पुतिन से देश के बड़े जनसंचार माध्यम की दो ‘एकर’ साक्षात्कार लेने पहुंचीं। एक राष्ट्राध्यक्ष और दो शीर्ष ‘एकर’। अंदाजा लगाया जा सकता है कि विदेश नीति पर कितने शीर्ष स्तर के सवाल हो सकते थे। लेकिन जब ‘ट्यूज, ट्यूज, ट्यूज’ करते हुए रूसी राष्ट्राध्यक्ष से भारतीय प्रधानमंत्री की अन्य राष्ट्राध्यक्षों से तुलना का सवाल दिया। सरकार समर्थक एक आम कार्यकर्ता से लेकर, पार्षद व एंकरों तक की यही समझ बनी है कि खुद को महान साबित करने के लिए विदेशियों, दूसरे देशों की बेइज्जती तक पर उतर जाए।

अब बात करते हैं, बड़ी इकाई के संदर्भ में। एक ऐसा देश जिसका जन्मदाता भारत है, आज वहां हमारी क्या स्थिति है? अभी तक कथित विश्व

गुरु बनने के अहंकार में चूर तबका अल्पसंख्यक शब्द का मतलब एक खास कौम से लेता है, और उसके विषय में झूझ-झूम कर नफरत फैलाता है। नफरत के इस नशे पर थोड़ा विराम तब लगा था जब सत्ता पक्ष को अपनी उभरती हुई नेता नुपुर शर्मा पर कार्रवाई करनी पड़ी थी। नुपुर शर्मा को अपने उभरने का एक यही जरिया समझ में आया था, जो उल्टा पड़ा।

आज बांग्लादेश में अल्पसंख्यक कोई और तबका है। वहां चल रही मौजूदा नफरत की राजनीति में एक हफ्ते के अंदर दो हिंदुओं दीपू चंद्र दास और अमृत मंडल को पीट-पीट कर मार दिया गया। अभी भी सत्ता पक्ष को राहुल गांधी के बोलने की चिंता है। उसे यह चिंता क्यों नहीं है कि सत्ता-समर्थकों की समझ बन रही है कि विदेशी या विदेशी संस्कृति को अपमानित करने से सत्ता-पक्ष में उनका सम्मान बढ़ेगा। पिछले दिनों क्रिसमस को लेकर जो अशोभनीय दृश्य देखे गए उसका अंजाम



अमृत मंडल

क्या होगा?

चीन की बात करने से तो परहेज ही करना चाहिए, क्योंकि जब सत्ता पक्ष ही चीन को नहीं समझ पा रहा है, तो उसका समर्थक वर्ग कैसे समझ लेगा? सत्ता समर्थक वर्ग तो चीन-अमेरिका को दो भारतीय रिश्तेदारों की तरह देखता है, कभी इसकी निंदा, कभी उसकी तारीफ। भारत अमेरिका के शुल्क संग्राम से लेकर एचाबी वोजा की मुश्किलों में घिरा तो एंकरों व सत्ता समर्थकों को लगा, अब चीन की तारीफ शुरू करो कि वह अमेरिका से कितना महान है (वैसे विश्व गुरु तो हम ही हैं)।

दुनिया के नब्बे फीसद क्लिष्ट तकनीकी अनुसंधानों की अगुआई कर रहे चीन के विदेशी रणनीतिकारों को शायद यह देखने की फुर्सत नहीं होगी कि अमेरिका से बदला लेने के लिए भारतीयों ने चीनी लड़ियों और सजावटी सामानों का बहिष्कार बंद कर दिया है। उन चीनी सामानों का बहिष्कार करना बंद कर दिया है, जो भारत सरकार की मंजूरी

से वैध तरीके से भारतीय बाजारों में मिल रहे हैं। पिछले दिनों चीन ने पहली बार जब दुनिया भर के शक्तिशाली राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी में अपनी सामरिक शक्ति का सार्वजनिक प्रदर्शन किया था, तो सत्ता समर्थक चीनी लड़ियों के बहिष्कार की बात ही भूल गए थे। रही बात अमेरिका की तो वह समझ चुका है कि चीन के सिर पर वैश्विक शक्ति का खिताब सजाना भर बचा है।

जब हम वैश्विक बंधुत्व की बात करते थे, तब बांग्लादेश, म्यांमार, मालदीव जैसे देश भारत का खुदा करने की कोशिश करते थे। विश्व गुरु का दबाव करते ही ये देश हमारी मुखालफत में जितना कुछ कर सकते हैं, कर रहे हैं। नेपाल, जिससे भारत का सबसे करीबी नाता रहा है, वह भी हमारी मुखालफत पर उतर आया है।

चीन के बारे में बात करते वक्त हम सतर्कता बरत रहे हैं कि गलवान का ‘ग’ भी गलती से नहीं बोलेंगे। अगर कुछ बोला भी जाएगा तो नेहरू को

## हेमंत की हसरत

रखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पार्टी का दूसरे राज्यों में भी विस्तार करने की हसरत पाले हैं। राजनीतिक अरिस्तल के विस्तार के लिए ऐसी हसरत स्वाभाविक है। फिलहाल हेमंत सोरेन की नजर पश्चिम

बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव पर टिकी है। पश्चिम बंगाल उनका पड़ोसी राज्य तो है ही, यहां कुछ इलाकों में आदिवासी आबादी भी अच्छी-खासी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा का अभी कांग्रेस, राजद और वाम दलों के साथ गठबंधन है। इससे पहले सोरेन ने बिहार चुनाव में उम्मीदवार उतारने की भी कोशिश की थी, पर तेजस्वी यादव ने उनकी इन कोशिशों को परवान नहीं चढ़ने दिया जबकि वे दो सीटों के लिए भी तैयार थे। छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भी आदिवासी आबादी है। बहरहाल, अब हेमंत ने ममता बनर्जी से संपर्क साधा है। वे तो प्रतीकात्मक भागीदारी के लिए भी तैयार हैं, यानी तीन-चार सीटों ही मिल जाएं तो वे अपनी राजनीतिक गाड़ी आगे बढ़ाएंगे। बंगाल में आदिवासी आबादी करीब छह फीसद है। इनमें संथाल आदिवासी ज्यादा हैं। हेमंत ने संथाल आदिवासियों के लिए कई काम किए हैं। इसी को आधार बना कर वे आगे बढ़ना चाहेंगे। अगर ममता राजी नहीं हुईं तो हेमंत कांग्रेस से हाथ मिलावा चाहेंगे। सवाल यह है कि बिहार की तरह बंगाल में भी भाव न मिला तो क्या अपनी हसरत को परवान चढ़ाने के लिए अकेले अपने दम पर लड़ेंगे?



## राजपाट

### क्रिसमस पर अप्रिय विवाद

इस बार क्रिसमस के त्योहार पर सत्ता पक्ष के के खाते में एक और विवाद जुड़ गया है। कई जगहों पर त्योहार मनाते ईसाई समुदाय के लोगों पर हमले ने आशंका पैदा कर दी कि यह प्रवृत्ति और तेज न हो जाए। आरोप है कि कई दुकानदारों को क्रिसमस से संबंधित सामग्री बेचने से भी रोका गया। इस मसले पर विपक्ष ने सरकार को आड़े हाथ लेना शुरू कर दिया है। कुछ दक्षिण-पंथी तबके का कहना है कि इस पर्व का भारतीय सभ्यता-संस्कृति से कोई नाता नहीं है। विपक्ष का कहना है कि भारतीय संस्कृति समरसता की रही है, यहां इस तरह की हरकत स्वीकार्य नहीं है। भाजपा शासित राज्य में ऐसे हमले सामने आ रहे हैं, और प्रतीत हो रहा है कि उन्हें किसी तरह का भय नहीं है।

## बैठक की तपिश

उत्तर प्रदेश में इन दिनों कड़के की ठंड पड़ रही है। पर लखनऊ के सियासी गलियारों में ब्राह्मण विधायकों की एक बैठक की कुशीनगर के भाजपा विधायक पंचाढ़ पाठक के लखनऊ स्थित आवास पर सुबे के ब्राह्मण विधायकों की एक बैठक हुई। विधानसभा सत्र के दौरान इस तरह की बैठक के आयोजन की पहले से किसी को भनक नहीं लगी। पाठक को योगी आदित्यनाथ का विरोधी माना जाता है। बैठक में करीब 40 विधायक जुटे। रात्रि भोज भी हुआ। चर्चा है कि बैठक का एजंडा भाजपा में ब्राह्मणों की अदखली था। हालांकि बाद में पंचाढ़ पाठक ने सफाई दी कि उन्होंने अपनी पत्नी के जन्मदिन पर समारोह का आयोजन किया था। यह सफाई किसी के गले नहीं उतरी क्योंकि ऐसा देखा नहीं गया है कि किसी के जन्मदिन के समारोह में केवल एक जाति के लोगों को आमंत्रित किया गया हो। किसी ने इसे मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के खिलाफ असंतोष का इशारा बताया। वही, किसी ने आरोप लगाया कि यह दिल्ली के इशारे पर हुआ शक्ति-प्रदर्शन था। चर्चा है कि इस बैठक में मौजूद विधायकों से कोरे कागज पर हस्ताक्षर भी कराए गए। इस मसले पर विवाद बढ़ा, विपक्ष ने तंज कसे तो भाजपा के नए सुबेदार पंकज चौधरी सक्रिय हुए। उन्होंने गुरुवार को चेतावनी जारी कर दी कि पार्टी के लोग जातीय विभाजन से बचे और सामाजिक समरसता की नीति पर ही चलें।

## मांझी का सच

जीतन राम मांझी बेबाक बोलते हैं। बिना लाग-लपेट। किसी को अच्छा लगे या बुरा। उनकी पार्टी हिंदुस्तान आवामी मोर्चा राजग में है। बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके मांझी इस समय केंद्र सरकार में मंत्री हैं। इसी हफ्ते मांझी ने खुलासा किया कि सभी सांसद और विधायक क्षेत्र विकास निधि से कमीशन खाते हैं। खुद भी कमीशन लेने की बात स्वीकार की और बताया कि उन्होंने कमीशन की यह राशि पार्टी के लिए इस्तेमाल की। अपनी पार्टी के नेताओं से उन्होंने कहा कि वे इसी पैसे से कार खरीद लें। मांझी ने अपनी पार्टी के विधायकों से कहा कि उन्हें दस फीसद कमीशन न मिले तो कम से कम पांच फीसद तो लेना ही चाहिए। एक सांसद को हर साल पांच करोड़ मिलते हैं। दस फीसद के हिसाब से 50 लाख कमीशन बनता है। मांझी का बेटा संतोष कुमार सुमन बिहार सरकार में मंत्री है और पार्टी के अध्यक्ष भी वही हैं। मांझी ने अपने बेटे से भी कहा कि वह कमीशन लेने में संकोच न करे, क्योंकि सभी लेते हैं। मांझी के बयान से भाजपा की हालत पतली हो गई है। तभी तो दिलीप जायसवाल ने इसे मांझी की निजी राय और सरकार पतला झाड़ लिया।



संकलन : मृणाल वल्लरी

### पक्ष में कुतर्क

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री द्वारा नकाब को खींचना जितना गलत था उससे भी ज्यादा गलत तो अब हो रहा कि उस घटना को हर कोई सही बताने में लगा है। कोई बहर नहीं है कि नियुक्ति पत्र लेना है तो नकाब हटाना ही पड़ेगा, अब वो लड़की नेकरी करे या जहन्नुम में जाए। हर कोई इस घटना में मुख्यमंत्री को अभिभावक की तरह पेश कर रहा है। कोई अभिभावक ऐसा करता है क्या? मामला अब ये नहीं है कि नकाब क्यों हटाय़ा बल्कि अब तो ये साबित किया जा रहा है नीतीश जी ने सही किया है। देश किधर जा रहा है? क्या गलत को गलत बोलने की हिम्मत किसी में नहीं?

—जफर अहमद, मधेपुरा, बिहार।

### स्त्री और समाज

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा एक युवा मुसलिम महिला चिकित्सक के साथ किया गया व्यवहार किसी भी नजरिए से सही नहीं कहा जा सकता। घटना के बाद कुछ बयान वीर नेताओं ने माहौल को खराब करने वाले बयान दिए जो कि सर्वथा अनुचित हैं। हर क्षेत्र में अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज करवाने के बावजूद हमारे समाज में महिलाओं को वह सम्मान नहीं मिला, जिसकी वे हकदार हैं। हमारे समाज में महिलाओं को हमेशा दोषम दर्जे का नागरिक ही माना जाता रहा है, महिलाएं चाहे अनापढ़ हों चाहे पढ़े-लिखी, चाहे गरीब परिवारों से आती हों, चाहे अमीर परिवारों से, चाहे गांवों में रहने वाली हों चाहे शहरों में। हर समाज में महिलाएं पीड़ित ही हैं। हमारे देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की व्यवस्था नारी को पुरुष के साथ बराबरी का स्थान दिलाने के लिए किंचित इच्छुक नहीं है। नारी को पुरुष की बराबरी का स्थान दिलाने के लिए लंबा और जोरदार संघर्ष अपेक्षित है।

—चरनजीत, नरैला दिल्ली।

### हार बिहार की

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के बुलंद नारों के बीच पढ़ी-लिखी बेटी की अस्मिता पर सरेआम हमला हुआ और सियासत मुस्कुराती रही। कुछ देर के लिए मान भी लें कि यह वजीर-ए-आला की टिडोली और लाड़-दुलार का हिस्सा भर था। मगर जल्दी ही कुछ नामचीन कोमपरस्तों ने हमारे ख्यालों को बचकाना साबित कर दिया। बिहार जम्हूरियत की जमीन पर खड़ी सियासत में पितृसत्तावादी सोच के बीच अपने वजूद तलाशती औरतों का बेबाक तब्सिरा है। बिहार की शक्तियंतों की लंबी फैहरिस्त ने सूबे



### आपके पत्र

को दो कदम आगे चलना सिखाया है। मगर बिहार की ‘हार’ ने सियासत के उन पन्नों को खोल दिया, जिनमें औरतों के हक, हसरत और हैसियत की दस्तान दफन है। तारीख गवाह है कि इस जमीन पर उस जमीन के एक टुकड़े की खातिर द्रौपदी मोहरा बन कर खड़ी की गई थी। दुनिया ने फिर से देखा कि हालिया सियासत के चुनावी चाल में औरतें मोहरा बनी थीं और बिहार खामोश था। बेशक बीमार सुबों की कतार में खड़ी मां-बेटियों के बहसों में आए दस हजार रुपए दुनिया की दौलत से कम न थे। बहरहाल, इंसानों की भीड़ में अकेली खड़ी इंसानियत की खामोशी बता रही है कि जीत किसी की हो, हार बिहार की है।

—एमके मिश्रा, रांची, झारखंड।

### नैराश्य में नैतिकता

बिहार अपनी प्राचीन गौरव गरिमा की गाथा से वर्तमान सत्ता सदन के आंगन में जीत की हार गले में धारण करते हुए ‘हिजाब’ खींचने के अमर्यादित आचरण में लिप्त दिखा। सहज रूप में भारी मन से स्वीकार करने में कोई संशय नहीं है कि राज्य की महिला मतदाताओं के बलबूते दर्ज जीत में नारी अस्मिता की हार का प्रतिबिंब परिलक्षित हो रहा है। इस घटना के समय प्रदेश के भाग्य विधाता के पीछे खड़े नवरत्नों की खिलखिलाहट द्रौपदी के चीरहरण का धूमिल आवरण भी स्पष्ट कर रहा था। राजतंत्रीय व्यवस्था के अनेक पन्ने साक्षी हैं। राजा-महाराजा के गलत कृत्यों में उनके दरबारियों की ऊर्जा अधिक प्रेरक एवं प्रभावी हुआ करती थी। सत्ता पक्ष के माननीयों ने संविधान के शपथ पत्र में अपने दैनिक आचरण में जिस लोक मर्यादा के पालन के वचन दुहराए थे, आज जब उसकी कड़ी घटित प्रसंग में तार-तार होकर खंडित हो रही है तो

### विशेष पन्ना कैसा लगा

इस विशेष पन्ने पर आपके ढेरों पत्र हमें लगातार मिलते हैं। हर बार मुमकिन नहीं कि सारे पत्रों का हम इस्तेमाल कर पाएं। पर यह तो तय है कि आपके पत्रों से आपकी पसंद और विषयों के चुनाव में हमें मदद मिलती है। इस बार का यह विशेष पन्ना आपको कैसा लगा? आप अपनी राय भेज सकते हैं। हमारी ई-मेल आइडी है : vishesh.jansatta@expressindia.com

कोसा जाएगा। याद करें ‘आपरेशन सिंदूर’ के बाद संसद में हुई बहस को। नेहरू के नाम वाले विश्वविद्यालय से शिक्षित विदेश मंत्री एस जयशंकर पूरी चर्चा के दौरान यही साबित करते रहे कि मौजूदा सत्ता पक्ष की अभी तक की नाकामियों की वजह भारत के प्रथम प्रधानमंत्री ही हैं। सत्ता पक्ष ने अपनी खामियों की निशानदेही करने के बजाय नेहरू काल का अलंघ्यपरीक्षण किया। सत्ता पक्ष के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी कह गए थे कि हम दोस्त बदल सकते हैं, पड़ोसी नहीं। इस बुनियादी सिद्धांत को भूलते हुए सत्ता-पक्ष अपने हर पड़ोसी को नाराज कर बैठा है। शक्तिशाली पड़ोसी चीन से किस तरह की रिश्तेदारी रखी जाए, यह सत्ता समर्थक अपनी नफरती समझ से तय कर रहे हैं।

बांग्लादेश में लगभग दो दशक के निर्वासन के बाद बीएनपी नेता, तारिक रहमान लौट आए हैं, और युनुस को उन्हें वहां सुरक्षित गलियारा देना पड़ा है। रहमान ने आते ही समावेशी बांग्लादेश की बात की है। तारिक के उभार को देखते हुए भारत सरकार को संभल जाना चाहिए कि बांग्लादेश में हालात बदले तो हमारे हित सुरक्षित रहें।

एक सामान्य इंसान भी अपने जीवन में कई बार स्वीकार से लेकर नकार की स्थिति में होता है, लेकिन जीवन को एक दिशा देने के लिए स्वीकार की स्थिति में आना ही उसका प्रारब्ध है। चाहे किसान आंदोलन हो, या हाल में पंजाब विश्वविद्यालय के सीनेट चुनाव, सत्ता ने भी मजबूत स्थिति को स्वीकार है। एक बहुत गलत संदर्भ में महात्मा गांधी का नाम मजबूरी के साथ जोड़ दिया गया है। महात्मा गांधी तो उस मजबूती का नाम हैं जो कहते थे कि हर इंसान को अपनी कमजोरी पर काम करना चाहिए। लेकिन आप तब भी अपनी कमजोरी को नकार रहे हैं, जबकि हालत नाजुक है। रुपया, डालर के मुकाबिल शतक बना दे, क्या उससे पहले कोई स्वीकार होगा?

मानव मन की दुविधा आदि काल से है कि वह अनिष्ट या असंभव को स्वीकार करे या नकार दे। ज्यादातर लोग उसे तब तक नकारते हैं, जब तक वो प्रारब्ध बन कर उनसे टकरा न जाए। कुछ लोग मुमकिन को भी नामुमकिन बना सकते हैं। यह नकार का स्थायी भाव मुमकिन को नामुमकिन ही बनाते जाएगा।

बुनियादी सवाल यही है कि बता ऐ जिंदगी, हम धूप से बचने कहाँ जाएं? लेख निष्कर्ष यथार्थ का चिंतन करा रहा है कि आखिर बीस वर्षों की जमा राजनीतिक पूंजी ‘लम्हो ने खता की’ के फंदे को चूमने को क्यों विवश है। आशंका के बादल घनीभूत हो रहे हैं कि कहीं दसवीं बार शपथ का वैश्विक कीर्तिमान आभासी ऐश्वर्य का प्रतीक चिह्न बनकर पूरे देश में यह संदेश प्रसारित न कर दे कि सत्ता समुदाय सच से मुंह मोड़ते हुए ‘हिजाब-कृत्य’ पर चुपठी साधे हुए हैं और इसे न्यायोचित ठहराने की जुगत में अपनी नकारात्मक अक्षय ऊर्जा के सन्नाटे में चीखने के स्वर को दबाने में भी मशगूल है। यदि राजा के प्रतिकूल स्वस्थ से प्रजा की मानस भूमि बंजर हो रही है तो समय की मांग है कि उसका निदान किया जाए।

—अशोक कुमार, पटना, बिहार।

### मर्यादा की लकरी

सार्वजनिक जीवन की एक मर्यादा होती है। निःसंदेह माननीय मुख्यमंत्री की मंशा पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। एक डाक्टर बनने जा रही महिला का संबंध चाहे किसी धर्म, जाति से हो, कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान निर्धारित गणवेश जरूरी है। मगर इसके संबंधित सवाल भी तो पूछा जा सकता था कि क्या इस पहनावे में पेशेवर भूमिका का निर्वहन संभव है? बहरहाल बात को टाला भी जा सकता है। लेकिन इसको लेकर कुतर्कों का सहारा लेना कहीं से उचित प्रतीत नहीं होता है, और न ही लेना चाहिए। बहरहाल राजनीति का इन दिनों अपना चलन है। जिसके तहत सरकारों के हिसाब से वीशा स्तंभ भी मन माफिक तर्क गढ़ता चलन आता है। लेकिन मर्यादा एक लकरी की तरह होती है, जिससे इनकार करना असंभव है।

—मुकेश कुमार मनन, पटना।

### संवेदनशील लेख

बिहार के मुद्दे पर जितना पढ़ा, मुकेश भारद्वाज का बेबाक बोल बेहतर बन लगा। स्त्री अस्मिता का विभाजन सचमुच चिंतनीय है।

—अंकुर सिंह, गाजियाबाद।



# अगरबत्तियों के लिए नया मानक, जहरीले रसायनों के प्रयोग पर प्रतिबंध

## घर के अंदर वायु गुणवत्ता, पर्यावरण व नियामकीय अनुपालन पर दिया जोर

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (भाषा)।

विश्व में अगरबत्ती का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक भारत उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक नया गुणवत्ता मानक लेकर आया है जिसके तहत अगरबत्ती निर्माण में कुछ कीटनाशक रसायनों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस कदम से करीब 8,000 करोड़ रुपए के अगरबत्ती बाजार को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

उपभोक्ता सुरक्षा, घर के अंदर वायु गुणवत्ता, पर्यावरणीय स्थिरता और नियामकीय अनुपालन पर बढ़ते जोर के मद्देनजर अगरबत्तियों के लिए एक अलग से भारतीय मानक ‘आइएस 19412:2025’ विकसित किया गया है। यह मानक कुछ सुगंधित यौगिकों और रसायनों पर वैश्विक स्तर पर लगाए गए प्रतिबंधों को भी ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के बयान

## ‘प्रसार भारती के पूर्व अध्यक्ष से जुड़े आरोपों का जवाब दे सरकार’

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 26 दिसंबर।

आयकर विभाग की कथित गोपनीय रपट में प्रसार भारती के पूर्व चेयरमैन नवनीत कुमार सहगल पर 112 करोड़ रुपए के गबन से जुड़े किकबैक नेटवर्क के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा है। मामले में कांग्रेस ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। मौडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त होने के बावजूद अब उन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय में में महत्वपूर्ण भूमिका दिए जाने की चर्चा है।

खेड़ा पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। खेड़ा ने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि सहगल को प्रसार भारती में क्यों नियुक्त किया गया और फिर क्यों



## चांदी 9,350 रुपए बढ़कर 2.36 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (भाषा)।

मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत शुक्रवार को 9,350 रुपए बढ़कर 2,36,350 रुपए प्रति किलोग्राम के नए रेकार्ड स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

बुधवार को चांदी की कीमत 2,27,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। पिछले चार कारोबारी सत्रों में चांदी की कीमत 32,250 रुपए यानी 15.8 फीसद बढ़ी है। यह 19 दिसंबर को 2,04,100 रुपए प्रति किलोग्राम थी। इस साल चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2024 को 89,700 रुपए प्रति किलोग्राम रही थी और तबसे इसमें

### दाभोल परियोजना : पूर्व कर्मचारियों ने 24 साल से रुके वेतन की मांग की

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (भाषा)।

दाभोल परियोजना के नाम से मशहूर रबागिरी गैस एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड (आरजीपीपीएल) से जुड़े पूर्व कर्मचारियों के एक समूह ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि अगर पिछले 24 वर्षों से लंबित उनके वेतन और पेंशन के भुगतान के लिए लत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो वे अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन करेंगे। मुंबई के वरिष्ठ पूर्व कर्मचारियों ने संवाददाताओं से कहा कि दाभोल परियोजना या आरजीपीपीएल की देखरेख करने वाले संबंधित संस्थान, वर्षों की सेवा के बावजूद उनके वेतन और पेंशन जारी करने में विफल रहे। इस लंबी देरी ने कई वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक संकट में डाल दिया है, जिससे उन्हें चिकित्सा, भोजन और आवास के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

*नए* गुणवत्ता मानक के तहत अगरबत्तियों को मशीन निर्मित, हाथ से बनी और पारंपरिक मसाला अगरबत्ती की श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि इससे उपभोक्ता विश्वास बढ़ेगा, पारंपरिक कारीगरों को समर्थन मिलेगा।

के अनुसार, नए मानक का अनुपालन करने वाले उत्पाद बीआइएस मानक चिन्ह भी ले सकते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को आत्मविश्वास के साथ सूचित विकल्प चुनने में मदद मिलेगी। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) ने अगरबत्ती में उपयोग के लिए निषिद्ध पदार्थों की एक सूची भी तय की है। सूची में एलेथिन, पेरमैथ्रिन, साइपरमेथ्रिन, डेल्टामेथ्रिन और फिप्रोनिल जैसे कुछ कीटनाशक रसायन शामिल हैं। इसके अलावा बेंजिल सायनाइड, एथिल एक्रिलेट और

*मीडिया* एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त होने के बावजूद अब उन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय में में महत्वपूर्ण भूमिका दिए जाने की चर्चा है।

हटाय़ा गया? क्या उन्हें हिरेन जोशी कि जगह पीएमओ में लाने की कोशिश हो रही है? साथ ही, उन्होंने हिरेन जोशी को लेकर भी सवाल उठाए और पूछा कि क्या उन्हें औपचारिक रूप से हटाय़ा गया है, निर्लंबित किया गया है या जांच के दायरे में रखा गया है? खेड़ा ने कहा कि पीएमओ से संचालित ऐप्स, उनमें हिस्सेदारी रखने वाले परिवारों, पीएमओ प्रकरण से जुड़ी बालीवुड हस्तियाँ और उद्योगपतियों के संबंधों की परतें जल्द ही खोली जाएंगी।

डाइफिनाइल एमीन जैसे कुत्रिम सुगंध मध्यवर्ती रसायनों पर भी रोक लगाई गई है। मंत्रालय के अनुसार, इन पदार्थों में से कई मानव स्वास्थ्य, घर के अंदर वायु गुणवत्ता और पर्यावरणीय सुरक्षा पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हैं।

नए गुणवत्ता मानक के तहत अगरबत्तियों को मशीन निर्मित, हाथ से बनी और पारंपरिक मसाला अगरबत्ती की श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि इससे उपभोक्ता विश्वास बढ़ेगा, पारंपरिक कारीगरों को समर्थन मिलेगा और वैश्विक बाजारों तक पहुंच बेहतर होगी। लगभग 8,000 करोड़ रुपए वार्षिक आकार वाले भारतीय अगरबत्ती उद्योग से हर साल 1,200 करोड़ रुपए मूल्य की अगरबत्तियों का निर्यात होता है। भारत अमेरिका, मलेशिया, नाइजीरिया, ब्राजील और मेक्सिको सहित 150 से अधिक देशों को अगरबत्तियां निर्यात करता है।

### संभल फर्जी मुठभेड़ मामला

## 12 पुलिसकर्मियों व अन्य पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश

संभल, 26 दिसंबर (भाषा)।

संभल ज़िले की एक अदालत ने कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में पूर्व थाना प्रभारी समेत 12 पुलिसकर्मी और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। आरोप है कि एक व्यक्ति को डकैती के मामले में गिरफ्तार दिखाया गया, जबकि घटना के समय वह जेल में बंद था। एक अधिवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि वह इस आदेश को चुनौती देगी।

अधिवक्ता ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करने का यह आदेश संभल के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) विभांशु सुधीर ने दिया। मामला ओमवीर नामक व्यक्ति से जुड़ा है, जिसे जेल में बंद होने के बावजूद लूट की घटना में शामिल दिखाकर बाद में कथित मुठभेड़ में गिरफ्तार

नई दिल्ली

## इंडिगो संकट पर उच्च स्तरीय जांच पूरी, समिति ने सौंपी रपट

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 26 दिसंबर।

देश की सबसे बड़ी एअरलाइंस इंडिगो की उड़ानें बड़े पैमाने पर रह होने के मामले की जांच के लिए गठित चार सदस्यीय समिति ने विमानन नियामक (डीजीसीए) को अपनी रपट सौंप दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हालांकि, रपट के निष्कर्षों का ब्योरा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के संयुक्त महानिदेशक संजय के ब्रम्हाणे की अध्यक्षता में पांच दिसंबर से समिति का गठन किया गया था। समिति को यह जिम्मेवारी दी गई थी कि वह उन परिस्थितियों की व्यापक समीक्षा करे, जिनकी वजह से इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें कई दिनों तक रह हुई थीं। अधिकारी के मुताबिक जांच समिति ने शुक्रवार शाम अपनी रपट डीजीसीए को सौंप दी और रपट की प्रतियां नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू और नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा के कार्यालय को भी भेजी गई हैं। हालांकि, रपट के निष्कर्षों का ब्योरा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

इस समिति में ब्रम्हाणे के अलावा डीजीसीए

### संभल फर्जी मुठभेड़ मामला

## 12 पुलिसकर्मियों व अन्य पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश

*अधिवक्ता* ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करने का यह आदेश संभल के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विभांशु सुधीर ने दिया। मामला ओमवीर नामक व्यक्ति से जुड़ा है, जिसे जेल में बंद होने के बावजूद लूट की घटना में शामिल दिखाया।

दर्शाया गया। ओमवीर के अधिवक्ता सुकांत कुमार ने बताया, ‘सीजेएम ने 24 दिसंबर को ओमवीर द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उसे डकैती के झूठे मामले में फंसाया गया और बहजोई पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ दिखाकर उसकी गिरफ्तारी की।

याचिका के अनुसार, 25 अप्रैल 2022 को बहजोई थाना क्षेत्र में एक लाख रुपए की लूट हुई थी और उसी दिन प्राथमिकी दर्ज की गई।

## शेर और तेंदुए के साथ गुजरात अब बाघ का भी बना घर

अहमदाबाद, 26 दिसंबर (भाषा)।

गुजरात ने तीन दशकों से अधिक समय बाद ‘बाघ की मौजूदगी वाले राज्य’ का दर्जा फिर से हासिल कर लिया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने गुजरात में एक बाघ की मौजूदगी की पुष्टि की है। उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अन्य मंत्री ने कहा कि इसके साथ ही गुजरात अब शेर और तेंदुए के साथ बाघ का भी घर बन गया है।

वन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, गुजरात में 36 साल पहले 1989 में बाघ विन्युस हो गए थे। यह घटनाक्रम गुजरात वन विभाग द्वारा यह घोषणा किए जाने के लगभग एक महीने बाद आया है कि एक भटकते हुए बाघ ने दाहोद जिले के रतनमहल वन्यजीव अभयारण्य को अपना

*उन्होंने* सर्वोच्च अदालत के फैसले पर चिंता जताई, जिसमें अरावली की परिभाषा बदलते हुए 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को संरक्षण के दायरे से बाहर करने का प्रावधान किया गया है।

सत्याग्रहह्म नाम से आनलाइन प्रतिवेदन (पिटिशन) शुरू किया, जिसमें एक लाख से ज्यादा लोग अब तक जुड़ चुके हैं। युवा कांग्रेस द्वारा सात जनवरी से 20 जनवरी तक ‘अरावली सत्याग्रह यात्रा’ निकाली जाएगी। यह यात्रा गुजरात से गुजर होकर राजस्थान, हरियाणा होते हुए दिल्ली पहुंचेगी। इस यात्रा के जरिए उनकी

*राज्य को मिलेगी हर संभव मदद*
केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य को हर संभव मदद मिलेगी। छत्तीसगढ़ में कुछ रोग के प्रबंधन को प्राथमिकता के तौर पर लिया जाएगा। इसके अलावा दूसरे राज्यों के साथ ही मिलकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए बड़े स्तर पर अभियान को चलाया जाएगा। बैठक में दवा विनियमन को मजबूत करने, निदान को बेहतर बनाने, अस्पताल प्रबंधन को पेशेवर बनाने, चिकित्सा शिक्षा क्षमता को बढ़ाने और टीबी मुक्त भारत की दिशा में तेजी से प्रयास के लिए काम किया जाएगा।

नड्डु ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री व अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के पहुंचाने, मरीजों की संतुष्टि बढ़ाने, नियामक

नई दिल्ली

## देश/व्यापार

## इंडिगो संकट पर उच्च स्तरीय जांच पूरी, समिति ने सौंपी रपट

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 26 दिसंबर।

*दिसंबर* के पहले सप्ताह में बड़े पैमाने पर इंडिगो की उड़ानें रह हुई थी और सैकड़ों उड़ानों की देरी की वजह से देश के तमाम हवाई अड्डों पर यात्रियों को कई दिनों तक भीषण संकट से जूझना पड़ा था।

के उप महानिदेशक अमित गुप्ता, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन कपिल मंगलिक और उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन रामपाल शामिल थे। दिसंबर के पहले सप्ताह में बड़े पैमाने पर इंडिगो की उड़ानें रह हुई थी और सैकड़ों उड़ानों की देरी की वजह से देश के तमाम हवाई अड्डों पर यात्रियों को कई दिनों तक भीषण संकट से जूझना पड़ा था।

अधिकतम एक दिन 1,600 से अधिक उड़ानें भी रह करनी पड़ी थीं। चालक दल के सदस्यों की तैनाती एवं विश्राम से संबंधित नए मानकों को लागू करने के लिए इंडिगो ने समय पर तैयारी नहीं की थी जिसकी वजह से यह व्यापक गतिरोध पैदा हुआ। उड़ान बाधाओं के बाद डीजीसीए ने इंडिगो को अपना शीतकालीन उड़ानों की संख्या में 10 फीसद तक कटौती करने का निर्देश दिया था।

### खबर कोना

इंडिगो पर जीएसटी से जुड़ा 13 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (भाषा)।

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में 13 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। पंजाब के राज्य कर, उत्पाद शुल्क और कराधान विभाग सहायक आयुक्त के कार्यालय ने वित्त वर्ष 2021–22 से संबंधित 13,28,255 रुपए का जुर्माना लगाया है। विभाग ने जुर्माने के साथ-साथ जीएसटी की मांग भी उठाई है। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि विभाग ने जीसीएटी मांग के साथ जुर्माना भी लगाया है। कंपनी मानती है कि प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश त्रुटिपूर्ण है। इसके अलावा कंपनी का मानना है कि उसके पास पर्याप्त सबूत और बाहरी कर सलाहकारों की सलाह के आधार पर मजबूत पक्ष है। इसलिए, कंपनी इस निर्णय को उचित प्राधिकरण के समक्ष चुनौती देगी। कंपनी ने यह भी कहा कि इस फैसले का उसके वित्तीय स्थिति, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है।

### सूचकांक लगातार तीसरे दिन फिसला, विदेशी पूंजी निकासी से 367 अंक टूटा

मुंबई, 26 दिसंबर (भाषा)।

विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू स्तर पर किसी बड़े सकारात्मक संकेत के अभाव में शेयर बाजार में गिरावट जारी रही और बीएसई सूचकांक लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में नुकसान के साथ बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक 367.25 अंक यानी 0.43 फीसद गिरकर 85,041.45 अंक पर बंद हुआ। कमजोर कारोबार के बीच एक समय यह 470.88 अंक टूटकर 84,937.82 के स्तर तक आ गया था। एमएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 99.80 अंक यानी 0.3 फीसद गिरकर 26,042.30 अंक पर बंद हुआ। यह दूसरे दिन नुकसान के साथ बंद हुआ।

### द्रौपदी मुर्मू कल पनडुब्बी से करेंगी समुद्री यात्रा

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (भाषा) ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 28 दिसंबर रविवार को कर्नाटक के कारवार बंदरगाह से एक पनडुब्बी में सवार होकर समुद्री यात्रा करेगी। राष्ट्रपति कार्यालय ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति का शनिवार से गोवा, कर्नाटक और झारखंड का चार दिवसीय दौरा शुरू होगा और इस दौरान ही उनकी समुद्री यात्रा निर्धारित की गई है। राष्ट्रपति भवन ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू 27 दिसंबर की शाम को गोवा के लिए रवाना होंगी। बयान में कहा गया है, राष्ट्रपति 28 दिसंबर को कर्नाटक के कारवार बंदरगाह से एक पनडुब्बी में सवार होकर समुद्री यात्रा करेंगी। मुर्मू सोमवार को झारखंड के जमशेदपुर में ओल चिकी के शताब्दी समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति सोमवार को ही एनआईटी, जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह को भी संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति 30 दिसंबर को झारखंड के गुमला में एक अंतरराज्यीय जनसांस्कृतिक सामागम समारोह ‘कार्तिक जात्रा’ को संबोधित करेंगी।

### रुपया 19 पैसे कमजोर होकर 89.90 प्रति डालर पर बंद

मुंबई, 26 दिसंबर (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और विदेशी पूंजी की निकासी के दबाव में रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले 19 पैसे टूटकर 89.90 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में सुधार, आयातकों की मजबूत डालर मांग और व्यापार समझौते से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच जोखिम से बचने की प्रवृति ने निवेशकों की कारोबारी धारणा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 89.84 प्रति डालर पर खुला और कारोबार के दौरान एक समय 89.94 के निचले स्तर तक चला गया। हालांकि कारोबार के अंत में रुपया कुछ नुकसान की भरपाई करते हुए 89.90 पर बंद हुआ, जो इसके पिछले बंद भाव से 19 पैसे की गिरावट है। बुधवार को रुपया शुरुआती बढ़त गंवाकर डालर के मुकाबले आठ पैसे टूटकर 89.71 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि नए साल की छुट्टियों से पहले विदेशी निवेशकों की तरफ से लगातार एंजी निकासी किए जाने तथा आयातकों की भारी डालर मांग से भी रुपए पर दबाव बना रहा।



# कनेक्टिविटी • फरीदाबाद से यूपी के ग्रेटर नोएडा आना-जाना होगा आसान मंड्रावली को जोड़ने वाली सड़क ग्रेनो के जगनपुर तक बनेगी, 50 करोड़ खर्च होंगे

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

वर्ष 2026 में फरीदाबाद से यूपी के ग्रेटर नोएडा व नोएडा आना-जाना आसान होगा। नौ महीने में मंड्रावली से नोएडा के जगनपुर तक पांच किलोमीटर लंबी सड़क बनेगी। शुक्रवार को हरियाणा के राज्यमंत्री राजेश नागर व यूपी के जेवर के विधायक धीरेंद्र प्रताप ने सड़क का शिलान्यास किया। इस सड़क को 50 करोड़ की लागत से लोक निर्माण विभाग बनाएगा।

मंड्रावली पुल केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर का ड्रीम प्रोजेक्ट है। वर्ष 2014 में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इसका शिलान्यास किया था। यह पुल ग्रेटर नोएडा व फरीदाबाद को आपस में जोड़ने का काम करेगा। इस पर लगभग 122 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। हरियाणा के हिस्से में यमुना नदी पर लगभग 630 मीटर लंबा पुल पहले ही बन चुका है। इसके साथ ही फरीदाबाद से पुल तक की सड़क को चौड़ा कर यातायात के लिए पूरी तरह तैयार कर दिया गया है। पुल को पार करने के बाद यमुना से आगे लगभग 900 मीटर तक हरियाणा की सीमा में सड़क बना दी गई है। इसके बाद का क्षेत्र उत्तरप्रदेश में आता है, जहां अब तक सड़क निर्माण नहीं हुआ है और लोग

## 70 प्रतिशत जमीन का अधिग्रहण पूरा

अधिकारियों का कहना है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बराबर मुआवजा राशि पर सहमति बनने के बाद किसान जमीन देने को तैयार हुए। मुआवजा वितरण के लिए राशि कम पड़ने के कारण अभी भी 70 प्रतिशत जमीन का अधिग्रहण ही पूरा हो पाया है। बाकी 30 प्रतिशत जमीन का अधिग्रहण सरकार की ओर से जल्द किए जाने की बात कही गई है। शुक्रवार को हरियाणा सरकार के मंत्री राजेश नागर और जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने इस सड़क का शिलान्यास किया।



सड़क का शिलान्यास करते जेवर के विधायक धीरेंद्र प्रताप व हरियाणा के मंत्री राजेश नागर।

लोक निर्माण विभाग की ओर से इसका निर्माण शुरू कर दिया गया है।

**सड़क का अटल विहारी बाजपेयी मार्ग होगा नाम:** जानकारी के अनुसार इस मार्ग का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी बाजपेयी के नाम पर रखा जाएगा। मंड्रावली पुल के लिए गौतमबुद्ध नगर में साढ़े चार किलोमीटर लंबी सड़क से कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इसमें 1.7 किलोमीटर लंबी नई सड़क का निर्माण होगा। यह सड़क 45 मीटर चौड़ी व फोर लेन पहले ही पूरा हो चुका है। ग्रेटर नोएडा में सड़क का कुछ हिस्सा बचा था। उसका काम शुरू कर दिया गया है। इससे दोनों प्रदेश के लोगों को आवाजाही में बड़ी राहत मिलेगी।

### मजदूर की चाकू से गोदकर हत्या, दो पर केस दर्ज

भास्कर न्यूज़ | पलवल

एक मजदूर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। भाई की शिकायत पर नाबालिग सहित दो पर हत्या का केस पुलिस ने दर्ज किया है। भवन्कुंड चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार के अनुसार मोहन नगर पलवल निवासी राहुल ने दी शिकायत में कहा कि उनका भाई बिजेंद्र मीनार गेट के पास मजदूरी करता था। 25 दिसंबर की सुबह करीब आठ बजे बिजेंद्र रोज की तरह काम पर गया था। इसी दौरान उसके साथ काम करने वाले पप्पू और भारत ने साजिश के तहत उसे पातली क्षेत्र के जंगल में ले गए। वहां बिजेंद्र को नशीला पदार्थ पिलाया। फिर उसके साथ गाली-गलौच की। जब उसने विरोध किया तो दोनों आरोपियों ने बिजेंद्र पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए।

## बीके चौक पर दीप प्रज्ज्वलित कर साहिबजादों को दी गई श्रद्धांजलि

फरीदाबाद | वीर बाल दिवस पर शुक्रवार को बीके चौक पर दीप प्रज्ज्वलित कर साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को नमन किया गया। मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि आज के ही दिन साहिबजादों ने समाज और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे साहिबजादों के शौर्य और त्याग की गथा जन-जन तक पहुंचेगी। उन्होंने बताया हरियाणा सरकार इस गौरवशाली इतिहास को समाज के हर वर्ग तक



दीप प्रज्ज्वलित कर साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित करती मेयर व अन्य।

पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। पूरे देश में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर एंडिशनल कमिश्नर गौरव अतिल, भाजपा जिलाध्यक्ष फंकज पूजन रामपाल, पार्षद मुकेश अक्वाल, पार्षद सचिन शर्मा, कार्यकारी अभियंता महेंद्र सिंहआदि मौजूद थे।

### मुल्ला होटल से हनुमान मंदिर तक बनेगी सड़क, नगर निगम ने दी मंजूरी

फरीदाबाद | एनआईटी स्थित आदर्श नगर में मुल्ला होटल से हनुमान मंदिर तक दो करोड़ की लागत से सड़क बनेगी। नगर निगम ने इसकी मंजूरी दे दी है। इसे करीब 12 माह में बनाया जाएगा। इससे एसजीएम नगर, आदर्श नगर, एनआईटी-चार आदि के लोगों का यातायात सुगम होगा और उन्हें जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। आदर्श कॉलोनी की यह सड़क लंबे समय से जर्जर है। बरसात में हालत और खराब हो जाती है। इससे यहां से निकलना मुश्किल हो जाता है। अब सड़क बनने से काफी राहत मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार इसका निर्माण सामान्य तरीके से न होकर उच्च गुणवत्ता वाली डीबीएम और बीसी तकनीक से किया जाएगा।

## शहरवासियों के रिस्पांस के बाद नगर निगम की पहल सीवर-पानी कनेक्शन के लिए जनवरी में शिविर लगाए जाएंगे, तिथियां निर्धारित

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

अवैध कनेक्शनों को वैध करने व नए कनेक्शन लेने के लिए मिल रहे शहरवासियों के रिस्पांस के बाद नगर निगम जनवरी माह में भी शिविर लगाएगा। ये शिविर निगम के सभी जोन में लगाए जाएंगे, जिससे शहरवासियों को इनका फायदा मिल सके। निगमायुक्त धीरेंद्र खड़गटा के निर्देश पर ये शिविर लगेंगे। ये अलग-अलग जोन व डििवीजन 20-22 हजार रुपए लगते थे। जबकि इस समय केवल चार हजार रुपए लगते हैं।



फरीदाबाद. सीवर-पानी कनेक्शन के लिए लगाया गया शिविर।

ही कनेक्शन की सारी कार्रवाई पूरी की जाती है। लोगों के लिए राहत की बात यह है कि पहले सीवर-पानी कनेक्शन के लिए करीब 20-22 हजार रुपए लगते थे। जबकि इस समय केवल चार हजार रुपए लगते हैं।

### गुरुग्राम • आयोजक गिरफ्तार, चरस व भारी मात्रा में शराब बरामद

# रायसीना हिल्स के फार्महाउस में अवैध शराब पार्टी, 4 दिन में दूसरी कार्रवाई

भास्कर न्यूज़ | गुरुग्राम

गुरुग्राम के अरावली क्षेत्र में स्थित रायसीना हिल्स इन दिनों अवैध शराब और नशे की पार्टियों का गढ़ बनता जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर से बड़ी संख्या में युवक-युवतियां यहां फार्महाउसों में आयोजित इन पार्टियों में शामिल होने पहुंच रहे हैं। पुलिस ने चार दिन के भीतर दूसरी बार ऐसी ही एक अवैध पार्टी का भंडाफोड़ कर आयोजकों को गिरफ्तार किया है।

शुक्रवार को भोंडसी थाना क्षेत्र में पुलिस को सूचना मिली कि अरावली के रायसीना हिल्स स्थित एक फार्महाउस में बिना अनुमति शराब पार्टी चल रही है। सूचना के बाद एसपीजी बालशहपुर सुंदर फोगाट के नेतृत्व में भोंडसी थाना पुलिस, सेक्टर-65 थाना, क्राइम ब्रांच सेक्टर-39 और सेक्टर-40 की संयुक्त टीम ने ए-58 फार्महाउस पर छापेमारी की। मौके पर तेज म्यूजिक, शराब और नशे



### पहले भी पकड़ी गई थी विदेशी मेहमानों वाली पार्टी

भोंडसी थाना क्षेत्र में यह चार दिन में अवैध पार्टी पर दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले 22 दिसंबर को बहत्या प्रीत फार्म में छापेमारी कर 16 विदेशी नागरिकों समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। वहां से 3.20 लाख रुपए नकद और लाखों रुपए की शराब बरामद हुई थी। इन पार्टियों में जुआ और नशीले पदार्थ परसेने की भी जानकारी सामने आई थी।

का माहौल मिला, जहां कई युवक-युवतियां मौजूद थे। पुलिस ने पूछताछ के बाद पार्टी के आयोजक आनंद उर्फ एंडी, निवासी वैशाली, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) को फार्महाउस के एक कमरे से गिरफ्तार किया। तलाशी में आरोपी के कब्जे से 130 ग्राम चरस, 100 से अधिक बीयर की बोतलें,

23 बोटल अंग्रेजी शराब और डोजे सिस्टम बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम और बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पार्टी के नाम पर नशीले पदार्थ खुलेआम परसे जा रहे थे।

## केंद्र अरावली पर रिव्यू पिटीशन दाखिल करें: दीपेन्द्र हुड्डा

भास्कर न्यूज़ | गुरुग्राम

कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने जिला कांग्रेस कमिटी (ग्रामीण) कार्यालय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए अरावली के महत्वपूर्ण मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की गलत फैव्वी, गलत नीयत पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस गलत नीयत से सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में फैव्वी की और 100 मीटर की परिभाषा को न में मंजू्र करारा उस देश की जनता नकार रही है क्योंकि जनता ने अरावली को बेचने की सरकार की नीयत और चोरी को पकड़ लिया है। हम सरकार को डाका डालने नहीं देंगे। 100 मीटर के पैरामीटर को ना सिर्फ जनता नकार रही है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट की एम्पावर्ड कमिटी ने भी कहा कि सी मीटर का कोई ऐतिव्य नहीं है।



खुद सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में इसके औचित्य को नकार दिया था।

दीपेन्द्र ने मांग की कि 100 मीटर के निर्णय को निरस्त कराने के लिए सरकार स्वयं सुप्रीम कोर्ट जाए और देश की जनता से माफी मांगकर रिव्यू पिंटिशन फाइल करे। सरकार अरावली को लावारिस न समझे, राजस्थान के साथ हरियाणा की जनता मिलकर अरावली और पर्यावरण को बचाने की लड़ाई लड़ेगी। देश की जनता पर्यावरण के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने की बैक डोर से कोशिश कामयाब नहीं होने देगी।

### नूंह: आईटीआई में वीर बाल दिवस आयोजित

नूंह | आईटीआई नूंह में वीर बाल दिवस का आयोजन श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में सिख पंथ के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के बारे में विस्तार से बताया गया।आईटीआई के प्रिंसीपल सुधीर कुमार ने गुरु गोबिंद सिंह के वीर साहिबजादों बाबा जोरवार सिंह एवं बाबा फतेह सिंह जी के अद्वितीय बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका साहस, त्याग और धर्म के प्रति अडिग निष्ठा आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विद्यार्थियों से इन मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। इस दौरान जागरूकता सत्र, विचार-विमर्श, देशभक्ति संदेश और शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रशिक्षुओं को राष्ट्र निर्माण में सकरात्मक भूमिका निभाने, सामाजिक दायित्वों को समझने तथा नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

## नशीला पदार्थ बेचने वाली की अवैध संपत्ति पर चला बुलडोजर

भास्कर न्यूज़ | सोहना/गुरुग्राम

अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सोहना सिटी पुलिस ने नशीला पदार्थ बेचने वाली महिला की अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस तैनात रही और पुलिस ने सोहना के जावेद कॉलोनी में बने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

दरअसल, सोहना निवासी ताहिरा से पुलिस ने वर्ष 2022 में अवैध हेरोइन बरामद की थी। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस को सूचना थी कि ताहिरा अभी भी मादक पदार्थ सप्लाई कर रही है। वहां यह भी सामने आया कि ताहिरा ने नशीले पदार्थों की बिक्री से अवैध रूप से धन अर्जित करके दो मंजिला अवैध मकान का निर्माण किया है। जिसके



बाद डीसीपी डॉ हितेश यादव के निर्देशन में सोहना शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रविन्द्र की अगुवाई पुलिस टीम डीटीपी आरएस. बाट व नगरपालिका सोहना के अधिकारियों के उपस्थिति में दोपहर को जावेद कॉलोनी पहुंची। जहां भारी पुलिस की मौजूदगी में ताहिरा के अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। इस मामले में सोहना सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रविंद्र ने कहा कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

### ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

पलवल | होडल नेशनल हाईवे-19 पर एक ट्रेलर ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दिया। इससे दोनों गिर गए। इसके बाद टायर उनके ऊपर से निकल गया। इससे एक युवक की मौके पर व दूसरे की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रेलर को छोड़कर फरार हो गया। कैप थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल के अनुसार शोलाका गांव निवासी इरशाद ने शिकायत में कहाकि वह और उनके साथी गुरुवार देर रात जवाहर नगर कैप मार्केट से काम पूरा करने के बाद अपने घर जाने के लिए हाईवे पर वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि फ्लाईओवर से होडल की तरफ उतरते समय एक ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दिया। इससे दो युवक गिर गए। फिर टायर उनके ऊपर से निकल गया।

## रात को हंगामा कर रहे शराबी ने सिर पर कई वार कर युवक की हत्या की

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

खोरी गांव में गुरुवार रात नशे में हंगामा कर रहे शराबी ने एक युवक की हत्या कर दी। मृतक की पत्न्या पलवल जिले के मितरोल गांव निवासी सतीश के रूप में हुई है। सूरजकुंड थाने की पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार मृतक सतीश सूरजकुंड के प्रह्लादपुर गांव स्थित एक होटल में सहायक का काम करता था। उसके परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है। गुरुवार रात सतीश अपने घर से थोड़ी दूर स्थित दुकान पर बीड़ी लेने

गया था। इसी दौरान राहुल नामक युवक शराब के नशे में हंगामा कर रहा था। वह लोगों को अपशब्द बोल रहा था। सतीश, राहुल को नजरंदाज कर दुकान पर चला गया। रास्ते में सतीश को राहुल की मां मिल गई। उन्होंने बेटे के बारे में सतीश से पूछा। सतीश ने महिला से कहा कि उनका बेटा शराब के नशे में घर के पास हंगामा कर रहा है। इसके बाद सतीश उसकी मां को लेकर राहुल के पास गया। दोनों राहुल को शांत कराने का प्रयास करने लगे। इस पर राहुल भड़क गया। उसने लकड़ी का फट्टा सतीश के सिर में मार दिया। फिर ईंट से सिर पर तीन से चार वार किए।

# घर में खेलते समय 8 साल के बच्चे के गले में उलझी चुन्नी, फंदा लगने से मौत

हादसे के दौरान बच्चा खिड़की में चुन्नी बांध कर उससे खेल रहा था

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

पर्वतीया कालोनी में गुरुवार रात घर में खेलते समय आठ साल के बच्चे निशांत की गले में चुन्नी फंसने के बाद फंदा लगने से मौत हो गई। सारन थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार पर्वतीया कॉलोनी निवासी दिलीप कुमार होलसेल का काम

करते हैं। दिलीप कुमार के तीन बच्चे हैं। गुरुवार रात वह अपने कमरे में बैठकर हिसाब किताब कर रहे थे। उनका छोटा बेटा निशांत उनके सामने ही खेल रहा था।

निशांत चुन्नी को खिड़की में बांधकर खेल रहा था। इसी दौरान निशांत का पांव फिसल गया और चुन्नी उसके गले में फंस गई। इसके बाद वह बेहोश हो गया। दिलीप

## हरियाणा मानवाधिकार आयोग के सदस्य ने अस्पताल का दौरा किया

**फरीदाबाद |** हरियाणा मानवाधिकार आयोग के सदस्य दीप भाटिया ने भाटिया सेवक समाज चैरिटेबल अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज के समय में जब निजी अस्पतालों में इलाज आम आदमी की पहुंच से बाहर होता जा रहा है, ऐसे में इस अस्पताल द्वारा जरूरतमंदों को इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना सराहनीय है। भाटिया ने इस दौरान ओपीडी, जांच कक्ष, दवा वितरण काउंटर और प्रतीक्षालय का निरीक्षण कर मरीजों से बातचीत की। भाटिया सेवक समाज चैरिटेबल अस्पताल पहुंचने पर संस्था के कार्यवाहक प्रधान सरदार मोहन सिंह भाटिया व सी. दास गुप



दीप भाटिया अस्पताल की सुविधाओं के बारे में जानकारी लेते हुए।

के चेयरमैन बीआर भाटिया ने उनका स्वागत किया। इस दौरान दीप भाटिया ने कहा कि भाटिया सेवक समाज चैरिटेबल अस्पताल जरूरतमंदों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है।

### वर्ल्ड स्ट्रीट में भजनों की मधुर धुनों के बीच लोगों ने भक्ति व संगीत का आनंद लिया

फरीदाबाद | वर्ल्ड स्ट्रीट बाय ओमेक्स में शहर का पहला भजन क्लबिंग आयोजन हुआ। पैंफस स्ट्रीट पर हुए इस कार्यक्रम में 500 से ज्यादा श्रद्धालु, परिवार और संगीत प्रेमी पहुंचे। भजनों की मधुर धुनों के बीच लोगों ने भक्ति और संगीत का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर शांति और सकारात्मक ऊर्जा से भरा नजर आया। इस दौरान पारंपरिक भजन प्रस्तुति के साथ आधुनिक संगीत और रोशनी का मेल देखने को मिला। हर उम्र के लोगों के लिए खुले इस कार्यक्रम में लाइव परफॉर्मेंस ने दर्शकों को बांधे रखा। आयोजकों के अनुसार, भजन क्लबिंग एक मकसद भक्ति को सामूहिक अनुभव के रूप में पेश करना था, जिसे लोगों का अच्छा समर्थन मिला।

### डिपो होल्डर से आई-फोन व नकदी लेने के आरोप में खाद्य अधिकारी गिरफ्तार

गुरुग्राम |करीब डेढ़ साल पहले जुलाई 2024 में गुरुग्राम के तत्कालीन सहायक खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार समेत तीन अधिकारियों पर भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई थी। आरोप है कि ओल्ड गुरुग्राम की मदनपुरी के डिपो होल्डर से इन्होंने आई-फोन, घड़ी, एसी और 35 हजार कैश बैंक खाते में लिया था। 11 जुलाई 2024 को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो गुरुग्राम को दी गई शिकायत के आधार पर 9 अप्रैल 2025 को गुरुग्राम में ही आरोपी सहायक खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार, विजय एफएफएसओ व प्रेम पूर्ण निरीक्षक पर केस दर्ज किया था।

### प्रॉपर्टी टैक्स सीलिंग अभियान का असर, एक दिन में निगम को मिले 7 करोड़

गुरुग्राम |प्रॉपर्टी टैक्स बकायेदारों के विरुद्ध नगर निगम गुरुग्राम द्वारा चलाए जा रहे सीलिंग अभियान का असर



दिखाई देने लगा है। इस कार्रवाई का असर यह रहा कि मात्र एक दिन में नगर निगम के खजाने में करीब 7 करोड़ रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स जमा हुआ है।

चालू वित्त वर्ष में अब तक निगम को कुल 285 करोड़ रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स प्राप्त हो चुका है, जिसमें मार्च 2026 तक और अधिक वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है।

### बिल पास करने की एवज में रिश्तव लेते हुए बीडीपीओ रेवाड़ी किया गिरफ्तार

गुरुग्राम |एंटी कर्प्शन ब्यूरो गुरुग्राम की टीम ने रेवाड़ी के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को बिल पास करवाने की एवज में 35 हजार रुपए की रिश्तव लेते हुए रोी हाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की टीम ने फिलहाल विधायक रूप से 'पीछा करो' अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत यह कार्रवाई की गई है। वहीं आरोपी के खिलाफ धारा 7 पीसी एक्ट व 308 (2) बीएनएस की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। भवन निर्माण सामग्री का काम करने वाली श्री श्याम फर्म के मालिक ने एसीबी की टीम को दी शिकायत में बताया कि उसका भवन निर्माण सामग्री सप्लाई का काम है। जिसके द्वारा रेवाड़ी जिला में अलग-अलग पंचायतों में विकास कार्य करवाए थे।

### युवती के साथ अश्लील वीडियो बनाकर युवक से 01.43 लाख रुपए ठगे

गुरुग्राम |साहब क्राइम मानेसर एरिया में जालसाजों द्वारा एक युवक की एक लड़की के साथ वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर 1.43 लाख रुपए वसूलने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। इञ्जर निवासी मनबीर ने पुलिस को शिकायत दी कि वह गुरुग्राम के गांव नानू कला में किराए पर रहता है। बीती 9 दिसंबर को उसके व्हाट्सएप पर एक वीडियो कॉल आई। मनबीर ने कॉल रिसीव की तो उसमें एक युवती थी। कुछ देर बाद कॉल कट गई। इसके बाद उसी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई, जिसमें मनबीर से कहा गया कि उसकी न्यूड युवती के साथ वीडियो बनाई गई है।



बेस्ट ऑफ 2025

गूगल पिक्सल 10 सीरीज को मिला बैलेंस्ड स्मार्टफोन का खिताब; लेनोवो योगा 7आई रहा बेस्ट विंडोज लैपटॉप

# फोन से स्मार्टवाच तक, ये हैं साल के बेस्ट गैजेट्स

2025 अब खत्म होने को है। इस बार भी दुनिया के प्रतिष्ठित टेक प्लेटफॉर्म ने साल के बेस्ट गैजेट्स की सूची जारी की है। तीन बड़े टेक पोर्टल-Wired, Wirecutter और T3 Magazine ने अलग-अलग सेगमेंट्स के गैजेट्स को रेटिंग दी है। ऐसे में स्मार्टफोन, लैपटॉप और विद्युतबल्ब जैसी कैटेगरी में किन गैजेट्स को बेस्ट माना गया, और क्यों... जानिए पूरी डिटेल।

WIRED

बेस्ट स्मार्टफोन



• बैलेंस्ड स्मार्टफोन सीरीज

गूगल पिक्सल-10 सीरीज

गूगल की पिक्सल-10 सीरीज 2025 की सबसे बैलेंस्ड स्मार्टफोन सीरीज में शामिल रही। इस सीरीज में तीन फोन लॉन्च हुए- पिक्सल 10, पिक्सल 10 प्रो और पिक्सल 10 प्रो एक्सल। इनमें नया टेंसर जी5 चिपसेट दिया गया है, जो पहले से तेज और ज्यादा स्मार्ट है। असली ताकत कैमरा और सॉफ्टवेयर हैं। रियल-टाइम कॉल ट्रांसलेशन, फोटो एडिटिंग के स्मार्ट टूल और स्पैम कॉल रोकने जैसे फीचर्स इन्हें कई मायनों में खास बनाते हैं।

• कीमत: Pixel 10: 79,999 रुपए  
Pixel 10 Pro: 1,09,999 रुपए से  
Pixel 10 Pro XL: 1,24,999 रुपए

रेटिंग 4 ★★★★★

• टॉप फ्लैगशिप फोन सीरीज

सैमसंग गैलेक्सी एस25 सीरीज

सैमसंग की गैलेक्सी एस25 सीरीज एक साल्ड फ्लैगशिप है। इसमें नया स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर है। इसके कूलिंग सिस्टम गेमिंग में बेहतर हैं। एआई फीचर्स को लेकर बहुत बड़ा बदलाव नहीं दिखा, फिर भी डिस्प्ले क्वालिटी, कैमरा परफॉर्मेंस और सॉफ्टवेयर अपडेट्स के चलते यह सीरीज भरोसेमंद बनी हुई है।

• कीमत: Galaxy S25: 80,999 रुपए  
S25 Plus: 74,999 रुपए  
S25 Ultra: 1,29,999 रुपए

रेटिंग 3.5 ★★★★★

• बेस्ट बैटरी फोन सीरीज

वनप्लस-15 सीरीज

अगर बैटरी सबसे बड़ी जरूरत है, तो वनप्लस की वनप्लस-15 सीरीज वायर्ड की पसंद बनी है। इस सीरीज की सबसे बड़ी खासियत इसकी बड़ी बैटरी और बेहद तेज चार्जिंग है। इस सीरीज में दो स्मार्टफोन हैं। वनप्लस-15 और 15आर। दोनों की परफॉर्मेंस मजबूत है, लेकिन कैमरा क्वालिटी फ्लैगशिप लेवल से थोड़ी पीछे मानी गई।

• कीमत: Oneplus 15: 72,999 रुपए और 79,999 रुपए (16GB रैम)  
Oneplus 15R: 44,999 रुपए

रेटिंग 4 ★★★★★

Wirecutter

लैपटॉप-विद्युतबल्ब

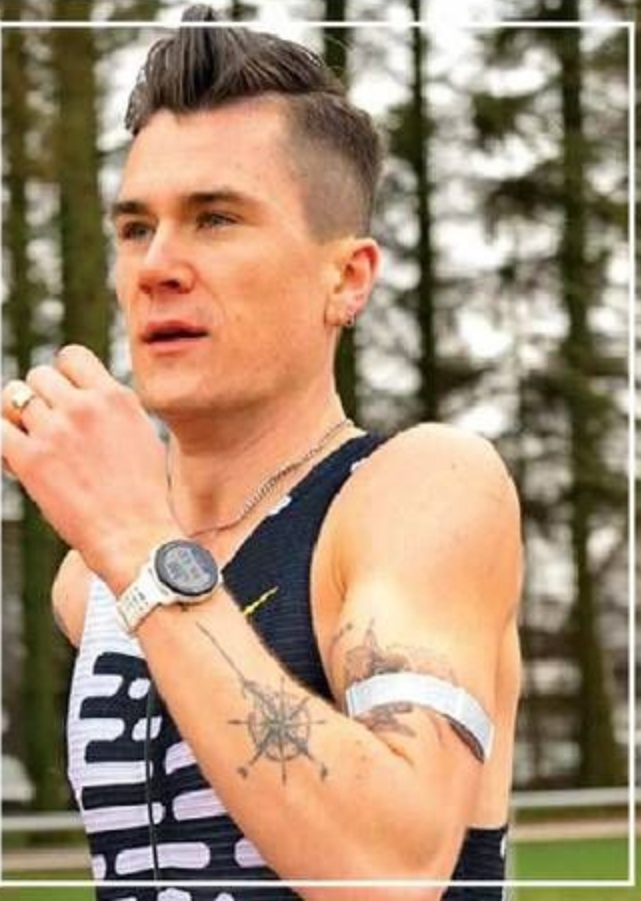
• बेस्ट जीपीएस रनिंग वॉच

कोरस पेस-3

यह घड़ी खासतौर पर रनिंग के लिए चुनी गई है। इसमें डुअल-फ्रीक्वेंसी जीपीएस है, जिससे सिग्नल ज्यादा सटीक मिलता है। खासतौर पर ऊंची इमारतों या दूरदराज इलाकों में। टेस्ट में इसका जीपीएस सिग्नल सबसे जल्दी लॉक हुआ और बैटरी लाइफ भी बाकी विकल्पों से बेहतर रही।

• कीमत: 24,990 रुपए

रेटिंग 4.9 ★★★★★



• बेस्ट बजट ईयरबड्स (वायरलेस)

ईयरफन फ्री 2एस

अगर बजट 4 हजार के आसपास है, तो इन ईयरबड्स में अच्छी बैटरी (लगभग 7 घंटे), IPX7 वाटर रेजिस्टेंस, वायरलेस चार्जिंग केस और कॉल के लिए ठीक-ठाक माइक्स मिलते हैं, जो इस कीमत पर कम देखने को मिलता है।

• कीमत: EarFun Free 2S  
ईयरबड्स की कीमत 4399 रुपए से शुरू हो जाती है।

रेटिंग 4.7 ★★★★★

• बेस्ट विंडोज लैपटॉप

लेनोवो योगा 7आई

लेनोवो का योगा 7आई उन चीजों का बैलेंस देता है, जो ज्यादातर लोग लैपटॉप से चाहते हैं- तेज परफॉर्मेंस, लंबी बैटरी लाइफ और बढ़िया स्क्रीन। इसमें 14-इंच का OLED टच डिस्प्ले है और 16 घंटे की बैटरी लाइफ है।

• कीमत: 95,991 रुपए

रेटिंग 4.5 ★★★★★

दैनिक भास्कर टेक पॉडकास्ट



इस खबर को आप पॉडकास्ट के जरिए भी सुन सकते हैं। इस QR को स्कैन करें और टेक्नोलॉजी की इस खबर को सामान्य बातचीत के अंदाज में सुनें। हर हफ्ते आपको टेक पेज पर मिलेगा पॉडकास्ट।

T3

लाइफस्टाइल गैजेट्स

• बेस्ट टेक शूज

एडिडास प्योरचिल

वर्कआउट के बाद या लंबे समय तक खड़े रहने वाले लोगों के लिए एडिडास का Purechill एक सीधा-सादा लेकिन काम का रिकवरी शू है। इसमें एक-पीस EVA फोम का इस्तेमाल हुआ है, जो पैरों के नीचे सॉफ्ट कुशनिंग देता है। स्लिप-ऑन डिजाइन इसे रोज के इस्तेमाल के लिए आसान बनाता है। इसके परफॉरमेशन पैरों को ठंडा रखते हैं, रबर आउटसोल ग्रिप और ड्यूरेबिलिटी देता है।

• कीमत:

₹6,694 रुपए

रेटिंग

4.7 ★★★★★



• बेस्ट स्किन गैजेट

लॉरियाल सेल बायोप्रिंट

लॉरियाल का Cell BioPrint Skin Scanner ब्यूटी टेक डिवाइस है। यह चेहरे की फोटो देखकर नहीं, बल्कि स्किन सेल्स के बायोमार्कर्स को पढ़कर स्किन का एनालिसिस करता है। एक छोटे से सेंसल के जरिए यह बताते की कोशिश करता है कि आपकी स्किन की बायोलॉजिकल उम्र क्या है।



• 2026 में ये पेश होगा।

रेटिंग

3.5 ★★★★★

• बेस्ट सेप्टी गैजेट

यूपी क्रॉसफेड

Ultraviolet का UV Crossfade सिर्फ एक हेलमेट नहीं, बल्कि बाइक और राइडर के बीच एक कनेक्टेड इंटरफेस है। यानी यह आपके गैजेट्स से हमेशा कनेक्टेड रहता है। एयरो-ऑप्टिमाइज्ड डिजाइन लंबी राइड में हवा का बेहतर प्रवाह देता है, जिससे गर्दन पर थकान भी कम होती है।

• कीमत:

19,900 रु.

रेटिंग

3.5 ★★★★★

Google

Apple

बेस्ट एप

• एपल स्टोर की बेस्ट एप

टिमो



Timmo को 2025 का आईफोन एप ऑफ द ईयर चुना गया है। यह उनके लिए है, जिन्हें प्लानिंग व टाइम मैनेजमेंट में दिक्कत होती है। यह एपल स्टोर पर है। रेटिंग: 4.6

• बेस्ट एंड्रॉइड एप

फोकस फ्रेंड



यह डिस्ट्रैक्शन की समस्या को हल करता है। यह समय पर डिस्कनेक्ट करना सिखाता है। इसका नाम Focus Friend by Hank Green है। डाउनलोड्स: 10+ लाख

• बेस्ट गेम

पोकेमॉन टीसीजी पॉकेट



इसने ट्रेडिंग कार्ड गेम को मोबाइल पर उसी एहसास के साथ उतारा, जिसके लिए जाना जाता है। Pokemon TCG Pocket के नाम से प्ले स्टोर पर है। डाउनलोड्स: 5+ करोड़

• बेस्ट मल्टी डिवाइस एप

लूमिनार एडिटर



लूमिनार ने दिखाया कि मल्टी-डिवाइस एप कैसा होना चाहिए। यह वीडियो एडिटिंग टूल है। Luminar Photo Editor के नाम से प्लेस्टोर पर है। डाउनलोड्स: 10+ लाख

दैनिक भास्कर

ट्रेंडिंग भास्कर

• लाइफस्टाइल • फैशन • ट्रैवल • फूड • होम डेकोर और वो सब जो ट्रेंड में है!

फैशन ऑफ 2025

मेट गाला में पहली बार 7 भारतीय सेलेब्स पहुंचे; विवाद के बाद प्राडा बनाएगा कोल्हापुरी चप्पल

## इस साल सबसे चर्चित रहे इन सेलेब्स के आउटफिट्स



दिलजीत ने कल्चर और ईशा अंबानी ने स्वदेशी डिजाइन प्रमोट किया

• प्रियंका: कैप और नेकलेस का कॉम्बो चुना

प्रियंका भारत की पहली सेलेब हैं जो मेट गाला के स्टेज पर 2017 में पहुंची थीं। इस साल भी प्रियंका चोपड़ा ने बाल्मेन की एक खास ड्रेस और बुलगारी मैग्निफ एम्पलाइड नेकलेस में नजर आई थीं।

• शाहरुख; तस्मानियन वूल से बना कोट पहना



शाहरुख ने मेट गाला के लिए सव्यसाची का ऑल-ब्लैक लुक चुना। उन्होंने तस्मानिया की ऊन से बना फ्लोर-लैथ कोट पहना, जिसमें जापानी बटन लगे थे। शाहरुख मेट गाला पर पहुंचने वाले पहले मेल इंडियन एक्टर भी बने।

• ईशा अंबानी... स्वदेशी डिजाइन प्रमोट किया

ईशा अंबानी ने मेट गाला में डिजाइनर अनामिका खन्ना द्वारा डिजाइन किया आउटफिट पहना था। इस ड्रेस के साथ हाथ से बुना हुआ बनारसी ट्रेन जुड़ा था, जो लुक को और खास बना रहा था। उन्होंने कार्टियर बांड का नेकलेस पहना जो कभी नवाबगढ़ के महाराजा के पास हुआ करता था।



• दिलजीत... फैशन में कल्चर को जोड़ा

दिलजीत ने अपने 2025 मेट गाला डेब्यू के लिए प्रबल गुरु द्वारा डिजाइन की गई शेरवानी पहनी। उन्होंने इससे पंजाबी विरासत का प्रतिनिधित्व भी किया।

2026 का रंग होगा क्लाउड डांसर अब 'वाइट आउटफिट' ट्रेंड करेंगे



सपना सिंह परमार  
फैशन एक्सपर्ट व डिजाइनर

पेंटोन ने 2026 के लिए क्लाउड डांसर को कलर ऑफ द ईयर चुना है... यह एक हल्का, साफ और सॉफ्ट वाइट शेड है। 2025 में रनवे से लेकर रेड कार्पेट तक यह रंग लगातार दिखा। सव्यसाची के एनिवर्सरी शो में दीपिका पादुकोण की वापसी हो या दिलजीत दोसांझ का मेट गाला लुक, सॉफ्ट वाइट शेड्स हर बड़े फैशन मोमेंट का हिस्सा बने। इस ट्रेंड की वजह भी प्रैक्टिकल है। ऐसे रंग हर स्किन टोन पर काम करते हैं, फोटोज और वीडियो में साफ दिखते हैं और स्टाइलिंग में आसानी देते हैं। भारी कढ़ाई और ओवर-डिजाइन की जगह अब ऐसे लुक्स चल रहे हैं जो कम एलिमेंट्स में भी एलिमेंट लगें। क्लाउड डांसर इसी बदलाव को दिखाता है।



होम डेकोर

कलर कैपिंग का ट्रेंड, कमरे को रिच व डिजाइनर लुक देगी

## बेडरूम में एक ही कलर फैमिली के तीन शेड्स रखें

होम डेकोर में कलर कैपिंग नाम का ट्रेंड वायरल हो रहा है। यह कोई जटिल डिजाइन टेक्नीक नहीं, बल्कि पेंट करने का एक स्मार्ट तरीका है, जो बिना ज्यादा खर्च या मेहनत के कमरे का पूरा मुड बदल देता है। कलर कैपिंग का मतलब है कि एक ही रंग के अलग-अलग शेड्स का इस्तेमाल करके पूरे कमरे को रंगना। आमतौर पर हम एक तरह के रंग ही रंगते हैं। जैसे दीवारों एक रंग की, छत सफेद और मोल्डिंग या बॉर्डर अलग। लेकिन कलर कैपिंग इससे अलग है। इसमें दीवार, बॉर्डर और छत, तीनों एक ही कलर फैमिली में होते हैं। फर्क सिर्फ शेड का होता है, रंग का नहीं। यानी रंग बदलता नहीं, शेड्स बदलते हैं।



घर में कलर कैपिंग कैसे अपनाएं?

कलर कैपिंग ऐसे रंगों में सबसे अच्छा लगता है जिनमें नेचुरल गहराई हो। जैसे: सॉफ्ट ब्लू, चारकोल ग्रे, मिट्टी जैसे ब्राउन कलर और डस्टी पर्पल या म्यूट पिंक। पेंट शेड कार्ड से एक ही रंग के तीन पास-पास के शेड चुनें। बहुत ज्यादा फर्क होगा तो लुक बिगड़ जाएगा। पेंट करने के लिए सबसे पहले छत पेंट करें, फिर ऊपर वाला हिस्सा और सबसे आखिर में दीवारें कलर करें।

सबसे आम और असरदार तरीका

दीवारों पर सबसे हल्का शेड चुनें, ताकि कमरा खुला और रोशन लगे। ऊपर की ओर थोड़ा गहरा शेड चुनें। जैसे-पिक्चर रेल, बॉर्डर या दीवार का ऊपरी हिस्सा। छत पर सबसे गहरा शेड रखें। यही हिस्सा कमरे को कैप करता है। छत पर गहरा रंग आने से आंख ऊपर की तरफ जाती है और कमरा अपने आप ज्यादा ऊंचा और बड़ा लगता है। इसी वजह से इस टेक्नीक को कलर कैपिंग कहा जाता है।

फूड

हर मिनट 194 बिरयानी ऑर्डर हुई पहाड़ी खाने की डिमांड 9 गुना बढ़ी; लोकल फूड ज्यादा पॉपुलर रहे

स्विगी की 2025 रिपोर्ट बताती है कि भारत में खाना अब इमोशन, कंवीनियंस और कल्चर का कॉम्बिनेशन है। कुछ यूजर्स ने ऑर्डरिंग को लगभग फुल-टाइम एक्टिविटी बना दिया। मुंबई के एक यूजर ने साल भर में 3,196 ऑर्डर किए, यानी रोज करीब 9 ऑर्डर। हैदराबाद के एक ग्राहक ने सिर्फ ड्राय फ्रूट कुकीज पर 47,106 खर्च रु किए। जहां एक तरफ लोग मैक्सिकन, तिब्बती और कोरियन खाने की तरफ बढ़े, वहीं पहाड़ी खाने में 9 गुना बढ़त दिखा। मलाबारी, राजस्थानी और मालवणी किचन के ऑर्डर लगभग दोगुने हुए।



बिरयानी: दसवें साल भी नंबर वन

देश में 10वें साल लगातार सबसे ज्यादा बिरयानी बिकी। पूरे साल में 9.3 करोड़ बिरयानी ऑर्डर हुए। इसका मतलब है हर एक मिनट करीब 194 बिरयानी, यानी हर सेकंड 3 से ज्यादा बिरयानी बिकीं।

सोशल मीडिया

न्यू ईयर रिजॉल्यूशन का विकल्प ईयर बिंगो: 25 लक्ष्य चुनें, कभी भी पूरा करें



FAST COMPANY  
से विशेष

2026 बिंगो: रिजॉल्यूशन को गेम बनाइए

अमेरिका में एक-तिहाई व्यस्क और 18 से 29 साल के लगभग 50% युवा हर साल रिजॉल्यूशन तय करते हैं। समस्या यह है कि रिजॉल्यूशन ज्यादातर टिकते नहीं हैं। बैलर कॉलेज ऑफ मैडिसिन के अनुसार 88% लोग दो हफ्तों में रिजॉल्यूशन छोड़ देते हैं। अगर 2026 में सेहत, पैसे, रिश्तों या किसी और हिस्से में सुधार चाहते हैं, तो पारंपरिक रिजॉल्यूशन की जगह कुछ अलग सोचने की जरूरत है।

• पूरे साल का नहीं, महीने का रिजॉल्यूशन बनाएं

पूरे साल के लिए एक लक्ष्य तय करना डराने वाला हो सकता है। पर एक महीने के लिए फोकस तय करना कहीं आसान है। अगर लक्ष्य 3 हिस्सों में हों जैसे- हेल्थ, फाइनेंस व पर्सनल ग्रोथ तो ऐसे बांटा जा सकता है।

• हेल्थ और वेलनेस : जनवरी से अप्रैल तक ये करें

• जनवरी स्लीप शेड्यूल सुधारें • फरवरी पर्याप्त पानी पिएं • मार्च नियमित एक्सरसाइज • अप्रैल प्रोसेस्ड फूड छोड़ें

• फाइनेंस और करियर : मई से लेकर अगस्त तक

• मई अपने बजट को समझें • जून अपने खर्च को ट्रैक करें • जुलाई फाइनेंशियल समझ बढ़ाएं • अगस्त प्रोफाइल अपडेट करें

• पर्सनल ग्रोथ : सितंबर से दिसंबर तक ये करें

• सितंबर माइंडफुलनेस करें • अक्टूबर नई स्किल या हॉबी सीखें • नवंबर कृतज्ञता की आदत बनाएं • दिसंबर कलटर हटाएं प्लानिंग करें



हास्य कविता

स्व. शैल चतुर्वेदी

देश का प्रजातंत्र है, जहां हर बीमारी स्वतंत्र है

हमारे देश का प्रजातंत्र, वह तंत्र है जिसमें हर बीमारी स्वतंत्र है दवा चलती रहे, बीमार चलता रहे- यही मूल-मंत्र है।

**फलवाले से कहा:** 'ऊपर से देखने में चिकना है भगवान जाने रस कितना है।' तो बोला: 'गीता में भगवान कृष्ण ने कहा है कर्म करो और फल मुझ पर छोड़ दो। हम दोनों ने अपना-अपना कर्म किया मैंने दिया और आपने लिया अब फल अच्छा निकले या खराब यह तो हरि-इच्छा है जनाब।'

**डॉक्टर से कहा:** 'आंख है तो जिंदगी है एक गई दूसरी बची है।' तो बोला: 'लोग-बाग बिना बोर्ड पढ़े चेम्बर में घुस आते हैं शर्म नहीं आती, नाक वाले डॉक्टर को आंख दिखाते हैं।'

**दर्जी से कहा:** 'कुर्ता पेट पर टाइट सिला है।' तो बोला: 'कपड़ा क्या आपको प्रेजेंट में मिला है पानी में डालते ही आधा रह गया अब जैसा बना है ले जाइए कुर्ते को पेट के लायक नहीं पेट को कुर्ते के लायक बनाइए।'

**पान वाले से कहा:** 'पांच रुपये का पान कहाँ जाएगा हिन्दुस्तान?' तो बोला: 'खा कर तो देखिए श्रीमान आत्मा खिल जाएगी हमारे पान की पीक शहर के हर कोने में मिल जाएगी।'

**किताब वाले से पूछा:** 'प्रेमचन्द का गोदान है?' तो बोला: 'गोदान! यह नाम तो पहली बार सुना है श्रीमान हम तो साहित्य का सम्मान कर रहे हैं! सत्य कथाएं बेच कर राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण कर रहे हैं।'

**कैलेंडर वाले से पूछा:** 'हरिवंश राय बच्चन का चित्र है?' तो बोला: 'आपका टेस्ट भी विचित्र है वर्तमान को भूतकाल के कथे पर टांग रहे हैं बेटे के जमाने में बाप का चित्र मांग रहे हैं।'

**नौकरानी से कहा:** 'एक तो बर्तन चुराती हो ऊपर से आंख दिखाती हो।' तो बोली: 'दिखा तो आप रहे हैं बर्तन मलवाओ, न मलवाओ चोरी का इल्जाम मत लगाओ हमें पता है कि आप कितने बड़े हैं आधे बर्तनों पर तो पड़ोसियों के नाम पड़े हैं।'

**-कविता के संपादित अंश**

बात कहूंगा खरी-खरी

पर्वतों की महानता को ऊंचाई से मापेंगे?

सुरेंद्र शर्मा कवि एवं लेखक surendrsharmakavi@hotmail.com

**कोर्ट ने कहा,** जिसकी ऊंचाई 100 मीटर से कम होगी, उसे पहाड़ नहीं माना जाएगा। यह सुनकर पहाड़ों का दिल दहल गया।

अरावली की बूढ़ी पहाड़ियों ने अपनी झुकी हुई कमर से पूछा कि भारतीय संस्कृति तो झुकने वाले को बड़ा मानती है। इस संस्कृति में अगस्त्य ऋषि के आगे झुक जाने वाली अरावली को बड़ा माना जाएगा या नहीं?

अपने आंसू पोंछते हुए एक चट्टान ने ताना दिया, 'क्यों रे ईसान, तेरी प्यास देखकर हमने जो आंसू बहाए उन्हें नदी कहकर पीते हुए भी क्या कभी तूने हमारी ऊंचाई नापने पर विचार किया था?' वृंदावन का गोवर्धन फटकारते हुए बोला, 'तुम्हारी आस्थाओं का बोझ उठाते-उठाते आकार तो मेरा भी बीना रह गया है। तो, क्या ये सरकारी आदेश मेरा भी नाम-निशान मिटा देगा?

**अरावली की बूढ़ी पहाड़ियों ने पूछा, भारतीय संस्कृति तो झुकने वाले को बड़ा मानती है। अगस्त्य ऋषि के आगे झुक जाने वाली अरावली को बड़ा माना जाएगा या नहीं।**

फिर क्या मुंह दिखाएगा अपने कन्हैया को? और अगर मुझे उंगली पर उठाने वाले ने उसी उंगली पर सुदर्शन उठा लिया तो किस पर्वत के नीचे जाकर सिर छुपाओगे?

धरती के माथे पर बल पड़ने लगे। हर पर्वत मनुष्य को उसकी बदतमीजी के लिए डांटता रहा। और ढीठ मनुष्य पर्वत काटने की आड़ में मुनाफे की चांदी काटता रहा। आदमी का अहंकार सौ मीटर की ऊंचाई छू गया और उसने अहसान परामोश बनकर दिखा दिया।

मोहब्बत की मिसाल बनने के लिए दशरथ मांझी की छैनरी से हार जाने वाला पर्वत ऊंचा माना जाएगा या नीचा? लक्ष्मण की प्राण रक्षा के लिए हनुमान की हथेली पर सिमट आने वाले द्रोणाचल

सैंसिबल मीम्स

मुकेश राठौर



सौरभ जैन



माइंड ट्विस्टर

जुबान की क्यारी में झूठ के दो बीज और फसल तैयार

हर हफ्ते यहां पूछेंगे सवाल जिसके देने होंगे जवाब। पिछला सवाल था- सब्जबाग ही क्यों दिखाए जाते हैं, फूलों के बाग क्यों नहीं।

- सब्जबाग सस्ते होते हैं, न खाद चाहिए, न धूप। बस जुबान की क्यारी में दो झूठ के बीज डालो हर मौसम में फसल तैयार। -सचिन सोलंकी, जोधपुर
- क्योंकि सब्जबाग होते हैं, हमारी सेहत का खजाना। फूलों का क्या है, हर सुबह संवर जाना। हर शाम बिखर जाना। -चंद्रभान 'अनाड़ी', जबलपुर
- फूलों के बाग में सिर्फ मेहनत दिखती है और सब्जबाग में सिर्फ वेद। -हरीश मोगा, पंजाब
- सब्जबाग दिखाकर ही तो फूलों के बाग छिन लिए जाते हैं, आम आदमी की राह में तो कांटे ही बचे रह जाते हैं। -प्रतिभा शाह, इन्दौर
- फूलों के बाग शादी के पहले और सब्जियों के बाग शादी के बाद, ताकि आटे-दाल का भाव मालूम हो जाए। -नरेंद्र बाबा राम शर्मा, हिंगोली
- सब्जबाग दिखाकर ही अपना काम निकलवाया जाता है, अगर फूलबाग दिखाते लगे 'फूल' बना दिए जाएंगे। -निशाल पाटीदार, रतलाम

अगला सवाल

**सफेद झूठ ही क्यों कहते हैं, काला-पीला झूठ क्यों नहीं?** पाठक humour@dbcorp.in पर फनी जवाब भेजें।

कार्टून कोना



वीकली कॉमेन्ट्री

संवैधानिक गतिरोधों को सूंघने की आदत डाल लेनी चाहिए!

पंकज प्रसून व्यंग्यकार और कवि

प्रस्तुत हैं इस हफ्ते के मुख्य समाचार...

- दिल्ली के एलजी ने प्रदूषण के लिए केजरीवाल को जिम्मेवार ठहराया।** कुछ भी हो एलजी साब ने नेहरू जी की आत्मा पर बड़ा उपकार किया है। बेचारे नेहरू! सात दशकों से देश की हर फटी जेब और पंचर टायर के लिए वही विलेन बने घूम रहे थे। सत्ता की इस नूरा-कुशती में फेफड़े तो बस कोलेटरल डैमेज हैं। यहां जहर हवा के बजाय अधिकारों की जंग में है। दिल्ली वाले बेचारे मासूम हैं, जो मास्क लगा रहे हैं; उन्हें तो बस राजभवन और सचिवालय के बीच के संवैधानिक गतिरोध को सूंघने की आदत डाल लेनी चाहिए।
- सरकार ने कोर्ट में कहा है कि 100 मीटर से छोटे पहाड़ों को पहाड़ नहीं माना जाएगा।** सरकार का यह फरमान दरअसल कुदरत का डिमोशन है। अगर किसी गरीब की कद-काठी छोटी हो, तो उसे नागरिक नहीं, स्टूल घोषित कर देना
- राज ठाकरे-उद्धव ठाकरे ने किया गठबंधन.** ठाकरे भाइयों का साथ आना राजनीति का वह चमत्कार है, जो साबित करता है कि सत्ता की भूख बड़े से बड़े स्वाभिमान को भी डकार सकती है। बेचारे कार्यकर्ताओं की मति मारी गई है; कल जिसे गद्दार घोषित करने का संकल्प लिया था, आज उसे मराठा गौरव बताकर जयकार लगाना है।
- कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने प्रियंका गांधी को पीएम बनाने की मांग की।** कमाल है, जब भी राहुल जी की तपस्या से फल नहीं निकलता, दरबारी फौरन प्रियंका जी की सूत्र में मोक्ष ढूँढ़ने लगते हैं। मानो देश का प्रधानमंत्री पद कोई पद न होकर वंशगत रिस्पेसमेंट वारंटी हो।

हेल्थ & वेलनेस

विंटर हेल्थ गाइड

स्मार्ट पैकिंग, हाइड्रेशन और सावधानी जरूरी सर्दियों में ट्रैवल कर रहे हैं... ये रही जरूरी चेकलिस्ट

**सर्दियों की छुट्टियां घूमने के लिहाज से सबसे पसंदीदा मानी जाती हैं।** TripAdvisor के विंटर ट्रेवल इंडेक्स के मुताबिक 2025 में 60% यात्री सर्दियों में ट्रेवल प्लान बना रहे हैं। अगर सही तैयारी न हो, तो सर्दियों की यात्रा मुश्किल और जोखिम भरी हो सकती है। इसलिए ठंड के मौसम में कहीं भी घूमने से पहले जरूरी सावधानियों और तैयारी पर ध्यान देना बेहद जरूरी है।



यह सावधानियां बरतें...

1. लेयरिंग के अनुसार कपड़े पैक करें

अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीन कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक लेयरिंग ठंड से बचाती है। इसके लिए सबसे पहले थर्मल पहनें, फिर ऊनी स्वेटर या फ्लीस पुलओवर पहनें और आउटर लेयर वॉटरप्रूफ या विंड-रेसिस्टेंट जैकेट की रखें। ऐसे ही बॉटम्स के लिए जींस से पहले ऊनी पैट या थर्मल लेगिंग्स पहनें।

2. पर्याप्त नींद, हेल्दी फूड और एक्टिविटी जरूरी

- यात्रा से पहले 6-8 घंटे की नींद जरूर लें। ट्रिप के दौरान सोने-जागने का समय नियमित रखने की कोशिश करें।
- खाने को लेकर 80-20 का फॉर्मूला अपनाएं यानी 80% हेल्दी और 20% जंक या फेवरेट फूड खाएं।
- ट्रिप के दौरान एक्टिव रहने के लिए सीढ़ियां चढ़ना या वाक करते रहें।

3. हाइड्रेशन और हाइजीन का विशेष ध्यान

डिसइंफेक्टेंट वाइप्स और हैंड सैनिटाइजर जरूर रखें, ताकि पब्लिक जगहों, फ्लाइट, ट्रेन या होटल में हाथ साफ रखे जा सकें। डिहाइड्रेशन से बचने के लिए पानी की बोतल हमेशा साथ रखें और लगातार पानी पीते रहें।

यात्रा के दौरान बीमारी से बचाव के लिए 5 अहम बातें

अपोलो इंद्रप्रस्थ के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. राकेश गुप्ता के अनुसार यात्रा के दौरान सुरक्षित और स्वस्थ रहने के लिए ये जरूरी और आम दवाएं साथ रखें...

1. ठंड में बुखार, बदन दर्द या सिरदर्द आम है। ऐसे में पैरासिटामॉल को हमेशा साथ रखना चाहिए।
2. नाक बहना, छींक या एलर्जी के लिए नॉन-स्टेरोइड एंटीहिस्टामाइन दवाएं और सेलाइन नेजल स्प्रे रखें।
3. यात्रा में खान-पान बदलने से

1. एंटीडि, उल्टी या दस्त हो सकते हैं। इसलिए एंटीसाइट दवाएं और डिहाइड्रेशन से बचने के लिए ORS जरूर रखें।
4. ठंड में त्वचा का रूखापन, होंठ फटना और जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है। मॉइस्टराइजर, लिप बाम, एंटीसेप्टिक क्रीम और पेन रिलीफ जेल/स्प्रे साथ रखें।

लाइफस्टाइल

ज्यादा शुगर से शरीर कैल्शियम बाहर निकाल देता है, जिससे हड्डियां कमजोर होती हैं

ज्यादा शुगर वाले गर्म पेय हड्डियों को कर सकते हैं कमजोर

healthline

से विशेष

**सर्दियों में लोग हॉट चॉकलेट, फ्लेवर वाली कॉफी जैसे गर्म पेयों का खूब आनंद लेते हैं। लेकिन ये सेहत के लिए हमेशा फायदेमंद नहीं होतीं। इनमें मौजूद ज्यादा शुगर हड्डियों को नुकसान पहुंचा सकती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार रोजाना खाने में अतिरिक्त चीनी आपकी कुल कैलोरी का 6 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।**

शुगर कैसे कमजोर करती है हड्डियां

ज्यादा शुगर लेने से शरीर यूरिन के जरिए कैल्शियम बाहर निकाल देता है। इससे हड्डियों में कैल्शियम की कमी होती है और वे कमजोर हो सकती हैं। बार-बार ब्लड शुगर बढ़ने से विटामिन D का काम भी प्रभावित होता है, जिससे शरीर कैल्शियम को ठीक से अवशोष नहीं कर पाता। रिसर्च बताती है कि ज्यादा शुगर शरीर में हल्की लेकिन लगातार इन्फ्लेमेशन पैदा कर सकती है, जो हड्डियों को नुकसान पहुंचाती है।



स्लीप हेल्थ

विश्व के 50% लोग खरटि लेते हैं, जानें बचाव के तरीके

खरटि से बीपी और स्ट्रोक का खतरा, सोने से पहले कॉफी-फोन से दूरी बनाएं

• The New York Times

दैनिक भास्कर से विशेष अनुबंध के तहत

**स्नोरिंग** यानी खरटि लेना एक आम समस्या है, लेकिन यह कभी-कभी स्लीप एपनिया जैसी गंभीर नींद संबंधी समस्या का संकेत भी हो सकता है। इसलिए इसे हमेशा नज़रअंदाज नहीं करना चाहिए। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ओटो लैरिंगोलॉजी के अनुसार, दुनिया में लगभग आधे लोग कभी-न-कभी खरटि लेते हैं और करीब 25% लोग नियमित रूप से इस समस्या से जूझ रहे हैं। यह समस्या महिलाओं की तुलना में पुरुषों में ज्यादा पाई जाती है और उम्र बढ़ने के साथ बढ़ भी सकती है।

दैनिक भास्कर हेल्थ पॉडकास्ट



इस खबर को आप पॉडकास्ट के जरिए भी सुन सकते हैं। इस QR को स्कैन करें और हेल्थ की इस खबर को सामान्य बातचीत के अंदाज में सुनें। हर हफ्ते आपको हेल्थ पेज पर मिलेगा पॉडकास्ट।



• खरटिं क्यों आते हैं...

मोटापा भी बड़ा कारण

हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल के स्लीप एक्सपर्ट डॉ. डेनियल वेना बताते हैं कि सोते समय सांस की नली के टिश्यू ढीले हो जाते हैं और हवा का रास्ता संकरा हो जाता है। इससे सांस की नली थोड़ी सिकुड़ जाती है और गले के नरम हिस्से सांस लेते-छोड़ते समय कांपने लगते हैं, जिससे खरटि की आवाज आती है। मोटापा भी खरटि आने का बड़ा कारण है।

• खरटिं से बढ़ सकती हैं ये परेशानियां

स्नोरिंग ध्यान लगाने में परेशानी, हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक का खतरा और रिशतों में तनाव या स्लीप डाइवोर्स का कारण बन सकती है। खरटि लेने वाले के साथ सोने वाले 75 फीसदी में से 11% लोग पर्याप्त नींद नहीं ले पाते। 27% रात में जाग जाते हैं। 25% सोने में मुश्किल महसूस करते हैं। (डेटा स्रोत- स्लीप फाउंडेशन, अमेरिका)

• ये बदलाव आपकी मदद कर सकते हैं

- बेहतर नींद और खरटिों से बचाव के लिए सोने से पहले स्क्रिन और कैफ़ीन से दूरी रखें। पीठ के बल सोने की बजाय करवट लेकर सोएं।
- धूम्रपान न करें और रात में शराब का सेवन करने से बचें। सोने से ठीक पहले भारी भोजन न करें।
- जरूरत हो तो नाक की स्प्रिंक लगाएं और नाक की सफाई के लिए नेजल रिस का इस्तेमाल करें।

एक अच्छी आदत

रोजाना मौसमी फल खाने के ये फायदे हैं



सर्दियों के फल जैसे संतरा, अमरूद, कीवी और अनार विटामिन C, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर होते हैं। फ्रंटियर इन इम्यूनोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक नियमित विटामिन C का सेवन वयस्कों में सामान्य सर्दी-जुकाम की अवधि और गंभीरता को कम करता है।

सर्दियों के फल फाइबर से भरपूर

1. **इम्यूनिटी मजबूत बनाता है** विंटर में वाइट ब्लड सेल्स की गतिविधि धीमी होती है, जिससे इम्यूनिटी कमजोर होती है। फलों के सेवन से शरीर संक्रमण से लड़ पाता है।
2. **पाचन और ऊर्जा में सुधार** सर्दियों में भारी भोजन के कारण पाचन बिगड़ता है। फल फाइबर से भरपूर होते हैं, जिससे पाचन बेहतर व कब्ज जैसी दिक्कतें कम होती हैं।
3. **त्वचा की ड्राइनेस कम करते हैं** सर्दियों में त्वचा शुष्क हो जाती है। फलों के एंटीऑक्सिडेंट्स त्वचा की ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं और नमी बनाए रखते हैं।
4. **सूजन और संक्रमण से रक्षा** इन फलों में फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से शरीर की सूजन को कम करते हैं और संक्रमण से सुरक्षा देते हैं।



# Support me by Joining my Private channel

**◆ I DON'T RUN ANY PUBLIC CHANNELS, I DON'T ASK FOR MONTHLY SUBSCRIPTION, IF YOU HAVE EITHER OF THEM THAT'S NOT MY CHANNEL**

## Indian Newspapers:

- |                              |                             |
|------------------------------|-----------------------------|
| <u>1) Times of India</u>     | <u>6) The Hindu</u>         |
| <u>2) Hindustan Times</u>    | <u>7) Live Mint</u>         |
| <u>3) Business line</u>      | <u>8) Financial Express</u> |
| <u>4) The Indian Express</u> | <u>9) Business standard</u> |
| <u>5) Economic Times</u>     | <u>+All Editorial PDFs</u>  |

## International Newspapers Channel

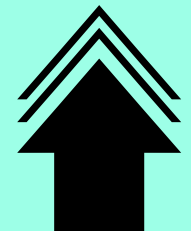
## Magazine Channel (National & International)

Uploading  
starts from  
**5AM**

 Access to all this  
In Just **19 Rupees**  
[lifetime Validity]

Click below to

# Join













# निर्णायक मोड़ पर

ओडिशा के कंधमाल जिले में एक बड़े सुरक्षा अभियान में माओवादियों की केंद्रीय समिति के सदस्य गणेश उइके सहित छह नक्सलियों का मारा जाना, नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार के अभियान में एक और महत्वपूर्ण व निर्णायक कामयाबी कही जा सकती है। गौरतलब है कि 69 वर्षीय गणेश उइके कोई साधारण माओवादी नहीं था, वह तेलंगाना के नलगोंडा जिले का निवासी था और चार दशकों से भी अधिक समय से भूमिगत जीवन जी रहा था। उस पर एक करोड़ रुपये से भी ज्यादा का इनाम घोषित था और अगर उसकी मौत को राज्य में नक्सलवाद की कमर तोड़ने वाला झटका

बताया जा रहा है, तो इसकी वजह भी है। 2025 में अब तक नक्सली प्रमुख बसव राजू समेत केंद्रीय समिति के तकरीबन सभी शीर्ष माओवादी (दो को छोड़कर) या तो मारे जा चुके हैं या फिर आत्मसमर्पण कर चुके हैं। जाहिर है कि देश नक्सलवाद से मुक्ति पाने की दिशा में अग्रसर है और इस राह में 2025 एक बड़ी कामयाबी साबित हुआ है। इस दौरान, शीर्ष कमांडरों समेत 317 नक्सलियों को मार गिराया गया। 800 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और लगभग 2,000 ने आत्मसमर्पण कर दिया। यह उपलब्धि ही कही जाएगी कि 2025 के अंत तक, देश में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की संख्या घटकर केवल 11 रह गई है, जबकि

2014 में यह आंकड़ा 126 था। खास बात यह है कि सरकार द्वारा मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद के सफाए के इरादे जाहिर करने के बावजूद यह भी सुनिश्चित किया गया है कि उनसे मुक्त हुए क्षेत्रों तक विकास की निर्बाध पहुंच हो सके। आंकड़े अपनी कहानी आप कहते हैं। 2014 से अब तक, केंद्र सरकार द्वारा इन क्षेत्रों में करीब 12,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया है, जबकि करीब 17,589 किलोमीटर की परियोजनाओं को 20,815 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई है। यह सही है कि माओवाद की जड़ें गरीबी, शोषण और आदिवासियों के असंतोष में छिपी हैं, लेकिन हिंसा कभी समाधान नहीं हो सकता।



दशकों से माओवादी सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों पर हमले और विकास कार्यों को बाधित भी करते रहे हैं। माड़वी हिड़मा, बसव राजू और गणेश उइके जैसे नक्सली कमांडरों ने हिंसा को संगठित रूप दिया और अब, जबकि उनका अंत हो रहा है, तो यह संदेश स्पष्ट है कि हिंसा का रास्ता लोकतंत्र में कभी स्वीकार्य नहीं हो सकता।

## अरावली : हल्ला और हकीकत

अरावली मामले में हो रहे हो-हल्ले का आधार यह आशंका है कि पर्वत श्रृंखला की बदली परिभाषा से खनन बढ़ेगा व लोग भी प्रभावित होंगे, जबकि सच्चाई कुछ और ही है।

अरावली की पर्वत श्रृंखला को लेकर इन दिनों गंभीर विवाद चल रहे हैं। एक पक्ष जहां भविष्य में अरावली से जुड़ी आशंकाओं को लेकर अपनी आवाज बुलंद किए हुए हैं, वहीं सरकार की ओर से बचाव मुद्रा में यह आश्वस्त करने का प्रयास किया जा रहा है कि किसी भी रूप में राजस्थान, हरियाणा और गुजरात में फैली पर्वत श्रृंखला पर आंच नहीं आएगी। इन विवादों की पृष्ठभूमि में उच्चतम न्यायालय का 20 नवंबर, 2025 को हुई सुनवाई के पश्चात पारित आदेश है, जिसके तहत नौ मई, 2024 के आदेश की अनुपालना में गठित विशेषज्ञ समिति की अनुशंसा को किंचित शर्तों के साथ स्वीकृति प्रदान की गई है। आशंका आधारित विवादों को विराम देने की दृष्टि से केंद्र सरकार ने संपूर्ण अरावली क्षेत्र में नई खनन लीज पर पाबंदी लगाते हुए पुरानी गतिविधियों पर पुनरीक्षण संबंधी आदेश जारी करते हुए अरावली संरक्षण की मंशा को स्पष्ट करने का प्रयास किया है, किंतु जैन-जी के नाम पर चलाए जा रहे आंदोलन का उद्देश्य तो कुछ अलग ही प्रकट होता है।

दरअसल, मामले का मूल कारण जाने बिना हो रहे हो-हल्ले का आधार मात्र आशंका आधारित है कि अरावली पर्वत श्रृंखला की परिभाषा में

परिवर्तन करने से इसके विस्तार वाले राज्यों में न सिर्फ खनन को बढ़ावा मिलेगा, अपितु आम जीवन की विपरीत रूप से प्रभावित होगा। तथ्य तो यह है कि राजस्थान नौ जनवरी, 2006 से समान परिभाषा का पालन कर रहा है। साथ ही, इसे और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने की दृष्टि से 100 मीटर या अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को घेरने वाली सबसे निचली, केंद्र के अंदर आने वाली समस्त भू-आकृतियों को, खनन की लीज देने के मकसद से बाहर रखा गया है। इसी तरह विशेषज्ञों की समिति ने अरावली श्रेणी के 100 मीटर या उससे ज्यादा ऊंचाई वाली दो आसपास की पहाड़ियों के 500 मीटर क्षेत्र के दायरे में विद्यमान समस्त भू-आकृतियों को बिना किसी अपवाद खनन लीज की उपयुक्तता से निषिद्ध क्षेत्र माना है। ऐसे में, यह भ्रम कि सी मीटर से कम ऊंचाई वाली भू-आकृति वाले क्षेत्र में खनन की अनुमति होगी, पूर्णतया मिथ्या है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित समिति ने परिभाषा को स्पष्ट करते हुए न सिर्फ इसे पारदर्शी, बल्कि संपूर्ण पर्वत श्रृंखला को सुरक्षित करने हेतु अपनी अनुशंसाएं की हैं। इससे आगे बढ़ते हुए उच्चतम न्यायालय द्वारा सरकार की ओर से सुदृढ़ सस्टेनेबल माडर्निज नैशनल प्लान बनने तक किसी भी प्रकार की नई खनन लीज पर पूर्ण पाबंदी लगाई गई है। ऐसे में, मात्र आशंकाओं के आधार पर आंदोलन एवं भ्रम की स्थिति कहीं न कहीं प्रायोजित कार्यक्रम की वृद्धि है। रिपोर्ट के अनुसार, भविष्य में किसी भी प्रकार के खनन प्रस्ताव से पूर्व भारतीय सर्वेक्षण विभाग के नक्शे पर अरावली पहाड़ियों व श्रृंखलाओं की मार्किंग करने की शर्त भी रखी गई है।

अरावली क्षेत्र में खनन पर पाबंदी की आड़ में इसकी मूल समस्या पर पर्दा डालने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। वैसे भी, संपूर्ण पर्वत श्रृंखला में लगभग एक प्रतिशत ही खनिज लवण विद्यमान हैं, ऐसे में इसकी वाणिज्यिक उपयोगिता सीमित ही है। असली खतरे का कारण तो उक्त क्षेत्र में हो रहा बेलगाम निर्माण है। पर्यटन को बढ़ावा देने के छद्म उद्देश्य से हो रहा बेलगाम निर्माण पहाड़ियों के लिए खनन से भी बड़ा खतरा है। दुर्भाग्य से, सज्जन संगठनों के आंदोलन में इस विषय पर तनिक भी ध्यान नहीं दिया गया है। वर्तमान आंदोलन की दिशा में पर्वत श्रृंखला को बचाने के उद्देश्य से गैर-कानूनी खनन को रोकने हेतु सरकार पर दबाव बनाया जाना कहीं अधिक सार्थक होता।

अरावली क्षेत्र में खनन पर पाबंदी की आड़ में इसकी मूल समस्या पर पर्दा डालने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। वैसे भी, संपूर्ण पर्वत श्रृंखला में लगभग एक प्रतिशत ही खनिज लवण विद्यमान हैं, ऐसे में इसकी वाणिज्यिक उपयोगिता सीमित ही है। असली खतरे का कारण तो उक्त क्षेत्र में हो रहा बेलगाम निर्माण है। पर्यटन को बढ़ावा देने के छद्म उद्देश्य से हो रहा बेलगाम निर्माण पहाड़ियों के लिए खनन से भी बड़ा खतरा है। दुर्भाग्य से, सज्जन संगठनों के आंदोलन में इस विषय पर तनिक भी ध्यान नहीं दिया गया है। वर्तमान आंदोलन की दिशा में पर्वत श्रृंखला को बचाने के उद्देश्य से गैर-कानूनी खनन को रोकने हेतु सरकार पर दबाव बनाया जाना कहीं अधिक सार्थक होता।

दशकों से भारतीयों का सपना 'बड़े शहरों' के जबरदस्त आकर्षण से जुड़ा रहा है-गुरुग्राम की ऊंची इमारतों का सपना, मुंबई की आर्थिक धड़कन, या बंगलूरु के टेक्नोलॉजी हब का आकर्षण। हाल तक घर के आकार व वेतन से सफलता को मापा जाता था। पर जैसे-जैसे 2025 खत्म होने वाला है, नया रुझान सामने आ रहा है।

भारत में एक बड़ा सामाजिक बदलाव दिख रहा है, जिसे ऑक्सिजन माइग्रेशन कहा जा रहा है, यानी लोग अब साफ हवा की तलाश में बड़े शहरों को छोड़ रहे हैं। अब सपना पैसे कमाने या बड़ा घर पाने से ज्यादा, साफ हवा में सांस लेने की क्षमता के इर्द-गिर्द घूम रहा है। पहले यात्रा अमरतौर पर स्कूल की छुट्टियों या त्योहारों के दौरान साल के कुछ खस महीनों में ही होती थी।

पर आज परिस्थितियों के अनुसार यात्राएं हो रही हैं। जैसे ही दिल्ली-मुंबईआर में प्रदूषण का स्तर (एक्यूआई) 400 के पार चला जाता है, अमीर लोग तुरंत शहर से निकलने लगते हैं। अब यह आराम या मौन-मस्ती के लिए की जाने वाली 'ट्रिप' नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य-संबंधी जरूरत बन गई है, जिसे छुट्टी का नाम दे दिया गया है।

मेकमाइंट्रिप और इंजमाइंट्रिप जैसे ट्रेवल प्लेटफॉर्म ने इन धुंध भरे महीनों में अचानक बढ़ी हुई बुकिंग्स दर्ज की हैं, खासकर प्रदूषण से भरे बड़े शहरों से। आंकड़ों के अनुसार, अंतिम समय में होने वाली इन यात्राओं में 30-35 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अब लोग होटल या जगह चुनते समय पहले जैसी बातें-जैसे नजारे कैसे हैं या बाजार कितने पास हैं, नहीं पूछते। वे अब रियल-टाइम वायु गुणवत्ता की जांच करते हैं। गंगटोक, मुन्नार और अंडमान जैसे साफ हवा वाले स्थान अब पसंदीदा गंतव्य बन गए हैं। इससे 'वेलनेस वर्केशन' की नई शुरुआत हुई है।

अब जब हाइब्रिड वर्क मॉडल कॉरपोरेट भारत में अच्छी तरह से जम गया है, तो मध्यम से उच्च ओहदों पर काम करने वाले लोग अपने पूरे परिवार के साथ गोवा या हिमाचल के इलाकों में रहने चले जाते हैं। वे रोमांच या घूमने के लिए नहीं जाते, बल्कि अपने बच्चों के फेफड़ों और माता-पिता के दिलों को

थोड़ी राहत देना चाहते हैं। जैसे-जैसे साफ हवा कम होती जा रही है, वह खरीदने-बेचने की चीज बनती जा रही है। हम स्मॉग इकनामी के जन्म को देख रहे हैं, जहां सांस लेने लायक हवा एक विशेष उत्पाद बन गई है, जो उन्हीं को मिलती है, जो उसके लिए भुगतान कर सकते हैं। रियल एस्टेट क्षेत्र में अब हवा की गुणवत्ता ब्रोशर में सिर्फ एक छोटा-सा नोट नहीं है, बल्कि एक मुख्य जानकारी बन गई है। बिल्डर अब लक्जरी अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में हॉस्पिटल जैसी उच्च दक्षता वाले वायु फिल्टर लगा रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कुछ महंगे आवासीय प्रोजेक्ट तो ऑक्सिजनयुक्त क्लब हाउस और इनडोर जंगल जैसी चीजों के नाम पर भी फ्लैट बेच रहे हैं। इससे एक चिंतजनक सामाजिक अंतर पैदा हो रहा है-अमीरों के लिए साफ हवा का सुरक्षित घेरा, जबकि बाकी लोग जहरीली हवा में रहने को मजबूर हैं। यहां तक कि आतिथ्य उद्योग ने भी खुद को बदल लिया है। लक्जरी होटल अब कमरों में उन्नत एयर प्यूरिफिकेशन सिस्टम लगाकर साफ हवा का दावा करते हैं, जो विकसित देशों जैसा लगता है।

साफ हवा की तलाश का चलन अब नया आर्थिक केंद्र बना रहा है। जो शहर पहले शांत रिटायरमेंट टाउन या सिर्फ घूमने-फिरने के लिए जाने जाते थे, वहां अब प्रदूषण से बचकर आने वाले लोगों (प्रदूषण शरणार्थियों) की वजह से रियल एस्टेट में तेजी आ रही है। गोवा अब केवल पार्टी करने की जगह नहीं है, बल्कि रहने की पसंदीदा जगह बन चुका है। एक खबर के अनुसार, हिमाचल प्रदेश के मनाली में क्रिसमस व नए साल से पहले पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन पर्यटकों में वे लोग भी शामिल हैं, जो दिल्ली-



## समय की नई इबारत

खरीद सकते और जहरीली हवा में बाहर काम करने को मजबूर हैं।

सीधी बात यह है कि साफ हवा वाली जगहों पर जाने का विकल्प भी थोड़े समय के लिए है। अगर ज्यादा लोग वहां आना शुरू कर देंगे, तो वहां भी वही प्रदूषण वाली समस्या पैदा हो जाएगी। नए साल की शुरुआत के साथ हमें यह समझना होगा कि उन कदमों पर रोक लगाएं, जिनसे हवा जहरीली होती है। वरना हम न सिर्फ अपना, बल्कि अपने बच्चों का भविष्य भी गंभीर खतरे में डाल देंगे।

## मनुष्य कभी रुकता नहीं

मनुष्य अपनी बेचैनी का इस्तेमाल करने वाला प्राणी है और उसकी महानता इसी क्षमता में छिपी है कि वह डर के साथ जीते हुए भी जिंदगी में आगे बढ़ना नहीं छोड़ता।

मनुष्य प्रकृति की सबसे अनोखी रचना है-एक ऐसा जीव, जो अपने अनुभवों से कम और अपनी कल्पनाओं से अधिक संचालित होता है। उसके भीतर स्मृतियाँ तथा संभावनाओं का एक सतत प्रवाह चलता रहता है। वह बीते हुए समय में लौटता है, आने वाले समय में भटकता है, और इसी यात्रा में वर्तमान क्षण उसकी पकड़ से छूट जाता है। जहां अन्य जीव भोजन, सुरक्षा और प्रजनन की सीमाओं में संपूर्णता पा लेते हैं, वहीं मनुष्य की चेतना 'क्या होगा' की अनिश्चितता में भटकती रहती है और यही बेचैनी उसे आगे भी बढ़ाती है और भीतर से खींचता भी कर देती है। हमारी बुद्धि, जिसने कला, विज्ञान, भाषा और सभ्यता की अद्भुत इमारतें खड़ी कीं, उसी ने हमें भय भी दिए हैं-असफलता का भय, अकेलेपन का भय, और मृत्यु का भय। यह विडंबना है कि हम जानते हैं कि अंत निश्चित है, फिर भी उसे मन से स्वीकारना हमारे लिए कठिन है। शायद इसी असमर्थता ने हमें अमरता के प्रतीक



लुईस थॉमस

एआई का आने वाला समय लड़ाई-झगड़ों का नहीं, बल्कि दया, अहिंसा और प्यार से भरी नई इन्सानियत का होगा।

-अमित रे



# एआई, नया साल और 2035 के संकेत

एआई के विकास को देखते हुए द गार्जियन के स्तंभकार बताते हैं कि 2026 अलग होगा। पर सवाल है कि 2035 कैसा होगा?

जब 2035 आएगा, तो चिकित्सा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई का ही बोलबाला होगा। इलाज के लिए डॉक्टरों के रिसेप्शनिस्ट से बात करने की खातिर सुबह-सुबह की भागदौड़ खत्म हो जाएगी। मरीज अपने एआई चिकित्सक को बीमारियों के बारे में बताएंगे। वह तेजी से मरीज की मेडिकल हिस्ट्री से जानकारी मिलाएगा और शुरुआती उपचार देगा। एआई मरीज की बीमारी के तथ्यों को हजारों चिकित्सकीय अध्ययनों से मिला सकता है, और ताजा शोध के आधार पर दवाएं सुझा सकता है, जिसे कोई इंसानी डॉक्टर पूरी तरह से समझ नहीं सकता। चिकित्सकीय जांच बहुत ज्यादा परिष्कृत और थोड़ी आक्रामक हो जाएगी। दवाएं बिल्कुल आपके शरीर तथा उसकी जरूरतों के हिसाब से बनाई जा सकेंगी। बेहतर डॉक्टर बनेंगे, जो एआई के नतीजों को समझने में सबसे ज्यादा माहिर होंगे।

न्याय के क्षेत्र में देखें, तो सुनवाई की तैयारी कर रहे

वकीलों ने मामले से संबंधित कानून ढूँढने और दलीलें तैयार करने का काम एआई को सौंपना सीख लिया है, जो उन्हें अदालत में सबसे बेहतर दलील देने का तरीका बताता है। नए, ज्यादा मजबूत आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (नजीआई) सिस्टम कई दिनों के काम को कुछ ही घंटों में पूरा कर देते हैं, जिससे वकील को सिर्फ एआई के सुझावों को जांचने का काम करना होता है। एक प्रयोग शुरू किया गया है, जिसमें एआई को इंसानी जज और जूरी के सामने केस लड़ने की इजाजत दी गई। इसके प्रभावकारी एआई डिवाइस, जैसे रोजमर्रा के कामों की बात करें, तो पहनने लायक एआई डिवाइस, जैसे चश्मे, बड़ियाँ और अंगूठियाँ, अब हर जगह आम हो गए हैं। ये अतिरिक्त इंट्रियों की तरह काम करते हैं, हमारे आसपास की उन चीजों को पहचानते हैं, जिनसे हम नजरअंदाज कर देते हैं-जैसे फ्रिज में अंडे कम हो रहे हों, या ये हमारी बातचीत को भी रिकॉर्ड करते हैं,

ताकि बाद में हमें भूली हुई बातें याद दिला सकें। आप इन्फॉर्मेशन एजेंट को मदद से अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं। जब आप सुबह उठते हैं और अपने दांत साफ कर रहे होते हैं, तो यह आपको खबरों का सारांश तथा मतलब पढ़कर सुनाता है। यह आपको कुछ गहरी समझ दे सकता है। 2035 में एआई खेती-बाड़ी के काम में भी भूमिका निभाता दिख रहा है। एक किसान का काम बहुत थकाने वाला होता है, जिसमें वह जानवरों, फसलों, चारे की आपूर्ति और मशीनरी की देखभाल की जांच करता है। पेड़ों, खलिहानों, बाड़ के खंभों और घूमने वाले रोबोट पर लगे कैमरों व सेंसर की मदद से, हर खेत उत्पादकता एवं जानवरों की देखभाल में मदद करने के लिए बहुत सारे आंकड़े भेजता है। एक आंकड़ों की मदद से, एआई न सिर्फ यह सलाह देगा कि क्या और कब बोना है, बल्कि यह भी बताएगा कि मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र कैसे बनाएं और मिट्टी की सेहत कैसे सुधारे। एआई संचालित रोबोट खेतों में घूमकर खरपटवारों को खत्म करने के अलावा कीटनाशकों की जरूरत को कम कर सकते हैं।



गूगल डिस्क

यह उन्नत एआई-सक्षम वेब ब्राउजर परंपरागत वेब ब्राउजर की तुलना में अलग ढंग से काम करता है। जहां सामान्य ब्राउजिंग में आप कई टैब खोलकर जानकारी खोजते हैं, वहीं यह खुले टैब्स को जरूरत के हिसाब से तुरंत छोटे-छोटे इंटरैक्टिव वेब एस (जेनटैब्स) में बदल देता है, ताकि आप अपना काम आसानी से व तेजी से पूरा कर सकें। उदाहरण के लिए, अगर आप यात्रा की योजना बना रहे हैं, पढ़ाई का सारांश लिख रहे हैं या किसी जटिल विषय पर शोध कर रहे हैं, तो डिस्क्रीन इन टैब्स को समझकर एक कस्टम, इंटरैक्टिव टूल तैयार कर देगा, जिसे आप अपनी भाषा में आदेश देकर बदल भी सकते हैं। इसके लिए आपको कोड लिखने की जरूरत नहीं होगी।

आप अपनी डिस्क पर पहुंचते हैं, आपको एआई असिस्टेंट व दस्तावेज लाकर देता है, जिनकी आपको जरूरत होती है। लेकिन जल्द ही लोगों को एहसास होगा कि वे कम काम में भी गुजारा कर सकते हैं। विद्वानों का कहना है कि फुर्सत का मतलब आराम से काम और रचनात्मक गतिविधियाँ, लोगों से मिलने-जुलने तथा बच्चों या बुजुर्गों की देखभाल करने से ज्यादा होगा। लेकिन ज्यादा खाली समय मिलने से एक नई समस्या भी पैदा हो सकती है-बड़े पैमाने पर कोरियाई एक ऐसी पीढ़ी जो नौ से पांच की नौकरी की आदी थी, उसे तालमेल बिठाने में थोड़ी मुश्किल हो सकती है।

- साथ में डैन मिल्लो



रॉबर्ट बूथ





नई दिल्ली। 27 साल बाद सत्ता में लौटी भाजपा ने 2025 में दिल्ली की राजनीति की दिशा बदलने का दावा किया। फरवरी में 48 सीटें जीतकर बनी सरकार की कमान रेखा गुप्ता ने संभाली, जो दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री बनीं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रापथ ग्रहण के समय महिलाओं, गरीबों और मध्यम वर्ग के हितों को प्राथमिकता देने का वादा किया था। सरकार ने शुरुआती महीनों में प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने, लंबित परियोजनाओं की समीक्षा और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच पर जोर दिया। दिल्ली के अहम मुद्दे यमुना की सफाई पर सरकार ने पहल की, लेकिन वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सरकार का किया नाकाफी रहा। मौजूदा सर्दियों में कई दिन दिल्ली का वातावरण धूल प्रदूषण से दमघौंटा रहा। करीब 10 महीने के कार्यकाल के बाद, साल के अंत में ये सवाल अहम हैं कि भाजपा सरकार ने 2025 में क्या किया और 2026 में दिल्ली को क्या सौगातें मिलने वाली हैं। ब्यूरो

## न्यूज डायरी

### फरीदाबाद में जेल से आए प्रेमी ने महिला के चेहरे पर ब्लेड मारा

फरीदाबाद। सराय ख्वाजा थाना इलाके में पूर्व प्रेमी ने एक महिला को पति व बच्चों को छोड़कर उसके साथ आने को कहा। महिला ने इंकार किया तो आरोपी ने पहले पीटा और इसके बाद उसके चेहरे पर ब्लेड से वार कर दिया। महिला के अनुसार हाल ही में जेल से छूटकर आया पूर्व प्रेमी उस पर दबाव बना रहा था कि पति व बच्चे को छोड़कर उसके साथ रहने चले। महिला के इंकार करने पर आरोपी ने हमला कर दिया और भाग गया। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। ब्यूरो

### व्यापारी के पल्लेदार ने रची थी 85 लाख लूट की साजिश

हापड़। हाईवे 9 स्थित सरस्वती मेडिकल कॉलेज के पास दायरी के व्यापारी गोपाल के मुनीम से हुई 85 लाख रुपये की लूट के मामले में चौकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस वारदात के मास्टरमाइंड पक्काबाग निवासी व्यापारी के दो पल्लेदार साबिर उर्फ भोला, जीशान हैं। उनकी मुखबिरी के आधार पर ही बदमाशों ने लूट को अंजाम दिया। कोतवाली पिलखुवा व स्वीट टोल ने घटना में शामिल चार अन्य आरोपियों लालित अरुना, सावेद व नादद को गिरफ्तार किया है, जबकि चार अभी फरार हैं। ब्यूरो

### यीडा बनेगा मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट और इंडस्ट्रियल हब

लखनऊ। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र देश के सबसे महत्वाकांक्षी मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित हो रहा है। इस समग्र योजना का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को निवेश, उद्योग, लॉजिस्टिक्स और रोजगार के क्षेत्र में राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। इस पूरे विजन का केंद्र नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर है, जो पूर्ण होने के बाद उत्तर भारत का सबसे बड़ा एविएशन और लॉजिस्टिक्स गेटवे बनेगा। ब्यूरो

### लिंग भेजकर मोबाइल किया हैक, 27 लाख रुपये उड़ाए

नोएडा। साइबर जालसाजी ने एक कंपनी के सेवानिवृत्त अधिकारी को लिंग भेजकर मोबाइल हैक कर लिया। इसके बाद एसबीआई बैंक के एप का एक्सेस लेकर नौ बार में 27 लाख रुपये उड़ा दिए। ग्रेटर नोएडा के रहने वाले रूकमेश शर्मा प्राइवेट कंपनी कार्यालय से सेवानिवृत्त हैं। 21 दिसंबर को उनके क्लाउसएप पर एक लिंक व मैसेज मिला। लिंक को खोलते ही उनका मोबाइल हैक हो गया। शाम को मोबाइल पर खाते से रकम ट्रांसफर होने का पता चला। ब्यूरो

### सोसाइटी में फ्लैट से नकदी और लाखों की ज्वेलरी चोरी

नोएडा। सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली प्लेटीनम सोसाइटी के बंद फ्लैट से नकदी व लाखों की ज्वेलरी चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना के वक्त फ्लैट मालिक परिवार के साथ वैष्णो देवी दर्शन करने के लिए गए थे। कोतवाली सेक्टर-113 पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली प्लेटीनम सोसाइटी के सातवें फ्लैट पर कमल किशोर परिवार के साथ रहते हैं। वह 23 से 30 नवंबर तक वैष्णो देवी दर्शन के लिए गए थे। 28 नवंबर को उनके पास सोसाइटी की मेटेनैस टीम से सूचना दी गई कि फ्लैट का गेट टूटा हुआ है। ब्यूरो

# यमुना की सफाई पर जोर, प्रदूषण के खिलाफ प्रहार की तैयारी

## यमुना सफाई के लिए अतिरिक्त 500 करोड़ आवंटित



■ दिल्ली सरकार ने इस साल यमुना सफाई के लिए अतिरिक्त 500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इससे विकेंद्रीकृत सीवेज उपचार संयंत्र और सीवर लाइनों की मरम्मत शुरू हुई है। यमुना के कुछ बाटों पर सफाई की गई है।

सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए अलग से 300 करोड़ दिए हैं, जिससे नए सिंक्रलस और स्मॉग गन

खरीदे गए हैं। 27 विकेंद्रीकृत सीवेज उपचार संयंत्रों को दुरुस्त करने की शुरुआत हुई है। आगे उम्मीद है कि यमुना नदी में सीवेज का उपचारित पानी ही जाएगा। प्रदूषण कम करने में सरकार लाचार दिखी। रोड साइड सिंक्रलर, रोड स्वीपिंग जैसी पहल हुई, लेकिन इतने से बात नहीं बनी, शहर में एमसीडी की सफाई व्यवस्था बेहद लचर बनी रही।

## महिलाओ को सुरक्षित और समृद्ध बनाने की पहल

■ सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए 5,100 करोड़ रुपये आवंटित किए। गरीब महिलाओं को मासिक 2,500 सहायता की घोषणा, साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए 50,000 सीसीटीवी कैमरे लगाने की शुरुआत की। गर्भवती महिलाओं को 21,000 रुपये सहायता शुरू की गई। यह योजना महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाने के लिए लॉन्च की गई। पिंग पीसीआर यूनिट्स और स्मार्ट कार्ड से बस यात्रा मुफ्त करने की व्यवस्था हुई। 2025 में योजना का पायलट चरण शुरू हुआ, इससे लाखों महिलाओं को फायदा। यह दिल्ली को सुरक्षित और समृद्ध बनाने की सौगात है।

## ई-बसें और मेट्रो विस्तार पर एक कदम और बढ़ाए

■ सरकार ने बुनियादी ढांचे और ई-परिवहन पर जोर दिया है। सरकार ने नई ईवी पालिसी का मसौदा तैयार कर लिया है। अगले साल ये दिल्ली में लागू होगी। सरकार ने सड़क जाम कम करने, फ्लाईओवर और सुरंग बनाने के लिए 28,000 करोड़ पूंजीगत व्यय तय किया है। इसमें 12,952 करोड़ परिवहन के लिए है। डीटीसी के बड़े में अभी तक करीब 3500 ई-बसें हो गई हैं। लास्ट माइल कनेक्टिविटी के लिए देवी बस सर्विस। दिल्ली से यूपी, हरियाणा के शहरों के लिए अंतरराज्यीय ई-बस सेवा शुरू की है। मेट्रो फेज-4 पर काम चल रहा है, आगे मेट्रो फेज-5 पर केंद्र के साथ सरकार आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने इसके संकेत दिए हैं।



## इस साल दिल्ली में 1 लाख करोड़ का पेशा हुआ बजट

इस साल मार्च में रेखा सरकार ने 1 लाख करोड़ का बजट पेश किया, जो कि पिछले बजट से 31.5 फीसदी बढ़ा है। ये जल, सफाई, स्वास्थ्य पर खर्च करने के लिए तय किया गया है। इसके अलावा सरकार ने व्यापारी कल्याण बोर्ड गठित कर दिया है। 100 अटल कैंटीन खोलने का वादा था, वृहस्पतिवार को 45 अटल कैंटीन खोल दी गई है, जहां 5 रुपये में जरूरतमंद लोगों को दाल, चावल, रोटी सबजी भरपेट मिलेगी।

## साल में दो बार दसवीं बोर्ड की परीक्षा

■ सीबीएसई ने बीते साल घोषणा की थी कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 से दसवीं के छात्र साल में दो बार परीक्षा देंगे। अब फरवरी से इसकी शुरुआत होने जा रही है। दूसरी बार छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की अनुमति मिलेगी। पहले चरण की परीक्षा फरवरी, दूसरे चरण की परीक्षा मई में आयोजित होगी। छात्रों के लिए पहली परीक्षा में बैठना अनिवार्य है दूसरी बार की परीक्षा वैकल्पिक होगी। परीक्षा चाहे दो बार हो लेकिन आंतरिक मूल्यांकन एक बार ही होगा। दोनों बार की परीक्षा में जो बेस्ट अंक होंगे उनके आधार पर रिजल्ट जारी होगा



## चार विवि के नए कैंपस के विस्तार को मिलेगी रफ्तार

■ दिल्ली में शिक्षा संरचना को मजबूत करने के लिए नरेला में एक सब सिटी (एडु सिटी) स्थापित की जा रही है। इस साल चार विश्वविद्यालयों (दिल्ली कीशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय, दिल्ली फार्मिस्टिकल रिसर्च एंड साइंस यूनिवर्सिटी, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, व डीटीयू) के परिसरों के विस्तार को रफ्तार मिलने की उम्मीद है।



## आयुष्मान भारत योजना दिल्ली में किया लागू

■ भाजपा की सरकार बनने के बाद दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू हुई। इसमें गरीबों को 5 लाख की अतिरिक्त कवरेज, कुल 10 लाख तक मुफ्त इलाज मिल रहा। गर्भवती महिलाओं को पोषण किट बांटनी शुरू की और नए आयुष्मान जन स्वास्थ्य केंद्र खोले। इस साल लाखों आयुष्मान कार्ड जारी हुए, सरकार ने स्वास्थ्य बजट को भी बढ़ाकर 12,893 करोड़ कर दिया है। मुख्यमंत्री ने इसे दिल्ली की स्वास्थ्य क्रांति बताया है। जनता को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है।

## फीस नियंत्रण बिल लागू

■ दिल्ली के निजी स्कूलों की मनमानी फीस पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने इस साल फीस नियंत्रण बिल लागू किया है। अब इसका असर नए सत्र की शुरुआत से देखने को मिलेगा। दरअसल नर्सरी दाखिले की रस जारी है और जनवरी-फरवरी से स्कूलों में दाखिले के लिए फीस जमा कराने की प्रक्रिया शुरू होगी। ऐसे में स्कूलों पर इस कानून के लागू होने से क्या असर पड़ा, यह देखा जा सकेगा।

# प्रसव के दौरान पेट में छोड़ा कपड़ा सीएमओ और डॉक्टर पर केस दर्ज

## जांच करने वाले अधिकारी, अरोपी डॉक्टर के पति समेत चार अन्य के खिलाफ भी कार्रवाई

अमर उजाला ब्यूरो



बैक्सन मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल।

ग्रेटर नोएडा। बैक्सन अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला के पेट में आधा मीटर कपड़ा छोड़ने के मामले में नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज की है। सीएमओ डॉ. नरेंद्र कुमार, और स्वास्थ्य विभाग के जांच अधिकारी डॉ. चंदन सोनी और डॉ. आशा किरन चौधरी के अलावा अस्पताल की डॉक्टर अंजना अग्रवाल उनके पति डॉ. मनीष गोयल और कर्मचारी स्वामी के खिलाफ कार्रवाई हुई है।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि डॉक्टर की लापरवाही के चलते वह करीब डेढ़ साल तक असहनीय पेट दर्द झेलती रही। दूसरे अस्पताल में दोबारा ऑपरेशन कर पेट से कपड़ा निकाला गया। मामले में पीड़िता ने पुलिस व स्वास्थ्य विभाग से न्याय नहीं मिलने पर कोर्ट की शरण ली थी।

कोर्ट के आदेश पर नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा-255 (लोकसेवक की ओर से किसी व्यक्ति को सजा से या संपत्ति को जप्त होने से बचाने के इरादे से कानून के निर्देशों की अहंहेलना करना), 125 (दूसरी की सुरक्षा को खतरे में डालने वाला अपराध), 125बी

## डेढ़ साल तक दर्द से तड़पती रही महिला, ऑपरेशन में निकला करीब आधा मीटर कपड़ा

लापरवाही या जल्दबाजी से दूसरों के जीवन को खतरे में डालना, 351(2) (अपराधिक धमकी) की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। कोतवाली प्रभारी सर्वेश चंद्र का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज की जांच शुरू की है।

डेल्टा-1 निवासी पीड़िता अंशुल वर्मा का कहना है कि वह घर पर सिलाई-कढ़ाई करती हैं। 14 नवंबर, 2023 को बैक्सन अस्पताल तुगलपुर में डॉ. अंजना अग्रवाल ने उनका डिलीवरी ऑपरेशन किया था। आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर ने लगभग आधा मीटर कपड़ा उनके पेट में ही



समय से जांच कर रिपोर्ट सौंप दी थी। लापरवाही के बारे में जिज्ञा था। पता नहीं क्यों महिला ने एफआईआर में आरोपी के तौर पर नाम डलवाया है। -डॉ. चंदन सोनी, जांच अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग

छोड़ दिया था। 16 नवंबर 2023 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। उसके बाद उनकी तबीयत लगातार बिगड़ने लगी। पेट में लगातार तेज दर्द रहने लगा। उन्होंने 14 अप्रैल, 2025 तक अलग-अलग अस्पतालों में इलाज और जांच कराती रहीं लेकिन कोई फायदा नहीं मिला और न ही दर्द की वजह सामने आई। जब वह कैलाश अस्पताल ग्रेटर नोएडा पहुंची तो डॉक्टरों ने पेट में गांठ के आधार पर ऑपरेशन की सलाह दी। 22 अप्रैल को डॉ. संचिता विश्वास ने ऑपरेशन किया तो उनके पेट से लगभग आधा मीटर कपड़ा निकला। बताया गया कि यह कपड़ा डिलीवरी ऑपरेशन के दौरान पेट में छूटा था। पीड़िता का आरोप है कि ऑपरेशन टीम में डॉ. अंजना अग्रवाल के पति डॉ. मनीष गोयल भी शामिल थे। वह मामले को दबाने में जुट गए।

# दिल्ली-एनसीआर में 19 रुपये किलो मिलेगा प्याज

## संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। बढ़ती महंगाई के बीच दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) ने राजधानी और आसपास के इलाकों में सिर्फ 19 रुपये प्रति किलो प्याज की बिक्री शुरू कर दी है।

बाजार में प्याज की कीमत 25 से 35 रुपये प्रति किलो है। इससे आम आदमी की जेब पर भारी बोझ पड़ रहा था। एनसीसीएफ ने प्याज की पहुंच आसान बनाने के लिए 16 प्रमुख स्थानों पर

## बाजार में प्याज की कीमत 25 से 35 रुपये प्रति किलो

मोबाइल वैन तैनात की हैं। इनमें मॉडल टाउन, शालीमार बाग, आईएनए मार्केट, आरके पुरम, करोल बाग और पंजाबी बाग जैसे इलाके शामिल हैं। राजीव चौक, उद्योग भवन और पटेल चौक जैसे व्यस्त मेट्रो स्टेशनों पर भी प्याज बिकेगा। एनसीसीएफ के चेयरमैन विशाल सिंह ने बताया कि यह प्याज नासिक (महाराष्ट्र) से मंगवाया गया है। खास बात है कि इसे भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) की ओर

## पश्चिम रेलवे ने विकसित किया 'वैक्यूम असिस्टेड ट्रेक क्लीनर'



नई दिल्ली (वि।)। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद स्थित लोकोमोटिव शेड साबरमती ने स्वदेशी तकनीक से वैक्यूम असिस्टेड ट्रेक क्लीनर (वैट क्लीनर) का निर्माण किया है। यह उपकरण पर्यावरण अनुकूल, लागत प्रभावी और ईको-फ्रेंडली है। वैट क्लीनर लोकोमोटिव के रेंडिएटर फैन का उपयोग कर पावर लेता है और डीजल वर्किंग ट्रॉली (डीडब्ल्यूटी) पर बर्तिकली लगाया गया है। 1000 से 1800 आरपीएम की गति पर यह उच्च सक्शन प्रदान करता है। कचरा संग्रह चैंबर से ट्रेक और आसपास के क्षेत्र की सफाई करता है। ड्राइवर डेस्क से ऑन/ऑफ और वैरिएबल स्पीड कंट्रोल की सुविधा उपलब्ध है।

## एनआईटी पटना का 14वां दीक्षांत समारोह आज

नई दिल्ली (वि।)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) पटना का 14वां दीक्षांत समारोह 27 दिसंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समारोह के मुख्य अतिथि होंगे और सुनील सिन्हा, निदेशक, टाटा इंटरनेशनल वेस्ट एशिया (दुबई), जो इस संस्थान के पूर्व छात्र भी हैं, विशिष्ट अतिथि होंगे। अशोक कुमार मोदी, अध्यक्ष, शासक मण्डल, समारोह की अध्यक्षता करेंगे, जबकि प्रो. प्रदीप कुमार जैन, निदेशक एवं सीनेट अध्यक्ष, एनआईटी पटना, संस्थान की प्रतिनिधि रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। शैक्षिक सत्र 2024-2025 के दौरान उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं को दीक्षांत समारोह में उपाधियां/डिग्रियां प्रदान की जाएंगी।



## ह्यूडई क्रेटा पर साल के अंत में मेगा ऑफर्स

नई दिल्ली (वि।)। वर्ष 2025 के अंत में ह्यूडई अपनी लोकप्रिय क्रेटा पर सबसे बड़े ईयर-एंड ऑफर्स लेकर आई है। ग्राहक 1 लाख रुपये तक के कुल ऑफर और योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं, जिससे क्रेटा पहले से ज्यादा किफायती हो गई है। एक्सचेंज पर काय खरीदने वाले ग्राहकों को अधिकतम एक्सचेंज वैल्यू का लाभ मिलेगा, जिसमें खास "नाउ और नेवर" एक्सचेंज बेनिफिट विशेष रूप से हुंडई क्रेटा पर उपलब्ध है। इसके अलावा, पुराने वाहन पर 20 से 25 प्रतिशत अतिरिक्त डेप्रीशिएशन बेनिफिट भी है। आकर्षक फाइनेंस स्कीम और कम ईएमआई विकल्प भी उपलब्ध हैं। ग्राहक नजदीकी डीलरशिप पर संपर्क कर सकते हैं।

# एयरपोर्ट के तीनों टर्मिनल से सीधे जुड़ेंगे यात्री, समन्वय बैठक में बनी रणनीति

## संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (जेएमआरसी) की ओर से जयपुर मेट्रो फेज-2 के क्रियान्वयन को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। मेट्रो प्रशासन और एयरपोर्ट प्रबंधन के बीच यह बैठक जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई। बैठक में डीजीसीए, सीआईएसएफ, बीसीएसए, एएआई और एयरपोर्ट प्रबंधन के विभिन्न अधिकारियों ने हिस्सा लिया। उस दौरान एयरपोर्ट के टर्मिनल-1, टर्मिनल-2 और भविष्य में बनने वाले टर्मिनल-3 को प्रस्तावित भूमिगत मेट्रो स्टेशन से सीधे जोड़ने की योजना पर विस्तृत चर्चा हुई। संयुक्त महानिदेशक (नागर विमानन महानिदेशालय) सूरजमल और मेट्रो के निदेशक महेश भुराडिया ने बताया कि सीतापुरा से टोड़ी मोड़ के बीच प्रस्तावित यह कॉरिडोर जयपुर को



बैठक में शामिल अधिकारी।

विश्व स्तरीय परिवहन सुविधा प्रदान करेगा। चीफ एयरपोर्ट ऑफिसर अनिमेष भट्ट ने कहा कि मेट्रो अलाइनमेंट और यात्री सुरक्षा मानकों पर सभी एजेंसियों ने सहमति जताई है। इस सीधी कनेक्टिविटी से यात्रियों को जाम से मुक्ति मिलेगी और सुरक्षित व सुगम सफर सुनिश्चित होगा। वहीं, परियोजना से जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।





बदलते मौसम में पशु अक्सर बीमारियाँ का शिकार हो जाते हैं, लेकिन पशुपालक इन रोगों की पहचान नहीं कर पाते। ऐसे में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का आईवीआरआई रोग निर्याण एप काफी मददगार हो सकता है।

#### रोकथाम के टिप्स

पशुओं में दिखने वाले लक्षणों के आधार पर यह एप बीमारी और उससे बचाव के उपाय की जानकारी देता है। इसके माध्यम से जान सकते हैं कि पशु किस बीमारी से ग्रसित हो सकते हैं और उनकी देखभाल कैसे करें।

■ **ऐसे करें डाउनलोड** : IVRI-Disease Control एप गूगल प्ले स्टोर से मोबाइल में डाउनलोड कर सकते हैं। अधिक जानकारी या सहायता के लिए किसान IVRI हेल्पलाइन 05812311111 पर कॉल कर सकते हैं।

#### सर्वियों में ट्रैक्टर की सेहत ऐसे रखें दुरुस्त



सर्वियों में ट्रैक्टर का स्टार्ट न होना किसानों के लिए बड़ी परेशानी बन जाता है। ठंड के मौसम में डीजल गाढ़ा हो जाता है, इंजन ऑयल जमने लगता है और बैटरी की क्षमता घट जाती है, जिससे मशीन चालू होने में दिक्कत आती है।

#### फसल मंत्र

##### मिली बग के प्रकोप से बचाएं आम का बगीचा

- आम की फसल के लिए सबसे खतरनाक कीट मिली बग (बगुजिया कीट) है, जो बौर का रस चूसकर फूल और छोटे फलों को गिरा देता है। इससे बचाव का सबसे सही समय दिसंबर है।
- दिसंबर के अंत तक पेड़ों के तनों पर 30-40 सेंटीमीटर ऊंचाई पर प्लास्टिक शीट से ट्री-बैंडिंग कर नीचे शीस लगानी चाहिए, ताकि कीट पेड़ पर न चढ़ सके। तने के पास वल्लेरापारफॉस चूर्ण डालें।

दिसंबर में पानी न दें, यह पेड़ों में फूल बनने के लिए जरूरी तनाव पैदा करता है। नाइट्रोजन का उपयोग न करें। बाग की सफाई और हल्की जुताई करें। रोगों से बचाव के लिए बोर्डो पेस्ट और घुलनशील सल्फर का छिड़काव करें।

#### देश

##### न्यूज डायरी

##### दरभंगा की जगह कोलकाता

पहुंची इंडिगो की उड़ान, हंगामा कोलकाता। इंडिगो के एक विमान में यात्रियों ने जमकर हंगामा किया और विमान से उतरने से साफ इन्कार कर दिया। यात्रियों ने इंडिगो मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। इंडिगो के विमान ने हैदराबाद से दरभंगा के लिए उड़ान भरी थी। लेकिन दरभंगा में मौसम खराब होने की वजह से विमान को कोलकाता भेज दिया गया। कोलकाता में जब यात्रियों को बताया गया कि मौसम खराब होने की वजह से विमान अब दरभंगा नहीं जाएगा, तब यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। ब्यूरो

##### शादी के लिए टावर पर चढ़ी प्रेमी के मनाने पर उत्तरी



**दौराला (मेरठ)।** एक युवती अपने प्रेमी से शादी की जित को लेकर 440 कवी के हाईटेशन विजली टावर पर चढ़ गई। करीब 6 घंटे तक चले ड्रामे ने पुलिस के हाथ-पांव फुटा दिए। बाद में प्रेमी के आने के बाद ही युवती टावर से नीचे उतरी। संवाद

##### कॉलेज में 11वीं के छात्र की गोली मारकर हत्या

**गोरखपुर।** पिंपराइच में शुक्रवार दोपहर कोऑपरेटिव इंटर कॉलेज के खेल मैदान में कक्षा 11 के छात्र सुधीर उर्फ भोला (17) की रंजिश में गोली मारकर हत्या कर दी गई। सुधीर अपने चचेरे भाई गोल्डू को बाइक चलाता सिखा रहा था। वहां पहुंचे हमलावरों ने उसे गोली मार दी। गोली लगते ही सुधीर की मौके पर मौत हो गई। गोल्डू ने भागकर जान बचाई। संवाद

##### बादल बाबू की सजा पूरी पाकिस्तान में जेल से रिहा

**अलीगढ़।** सना रानी के प्यार में सरहद पार कर पाकिस्तान पहुंचे गांव बख्तकरी निवासी बादल बाबू की सजा पूरी हो गई है। उसे पाकिस्तान में डिटेन्शन सेंटर में रखा गया है। उसके अधिवक्ता के अनुसार अधिकारी औपचारिकता पूरी कर रहे हैं। एक हफ्ता में उसे भारत भेजा जा सकता है। 27 दिसंबर 2024 को उसे बिना पासपोर्ट-बीजा के पाक सीमा में घुसने के जुर्म में गिरफ्तार कर किया गया था। संवाद

#### अमर उजाला

# गांव जंक्शन

www.gaonjunction.com

# जिंक की सही डोज से पाएं बंपर गेहूं

मिट्टी में एक बार डाला गया जिंक लंबे समय तक असर छोड़ता है। हालांकि, पौधे केवल 5-10 फीसदी जिंक उपयोग कर पाते हैं। धान की फसल के दौरान जिंक का उपयोग किया गया हो, तो गेहूं में दोबारा इसे देने की कोई आवश्यकता नहीं पड़ती।

**जे**हूं की अधिक और गुणवत्तापूर्ण उपज पाने के लिए फसल को संतुलित पोषण देना बेहद जरूरी है। लेकिन, किसान अक्सर सूक्ष्म पोषक तत्वों के सही उपयोग को नजरअंदाज कर देते हैं। इन्हीं तत्वों में से एक है जिंक, जिसकी कमी आज देश की करीब 40 फीसदी से अधिक कृषि भूमि में पाई जा रही है। गेहूं के फसल चक्र में लगातार खेती किए जाने से मिट्टी में जिंक की कमी तेजी से हो रही है। यही वजह है कि गेहूं की फसल में जिंक की कमी के लक्षण आमतीर पर देखने को मिलते हैं। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि जिंक का सही समय और सही मात्रा में उपयोग करने से न केवल गेहूं की ग्रोथ बेहतर होती है, बल्कि पौधों का हरापन, मजबूती और कल्लों की संख्या भी बढ़ती है, जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ता है।

#### ■ जिंक से मोटे और चमकदार दाने

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के वरिष्ठ प्रसार अधिकारी डॉ. के.एम. सिंह बताते हैं- जिंक पौधों की जड़ों को मजबूत करता है और कल्ले निकलने की प्रक्रिया को तेज करता है। यह दानों को मोटा व चमकदार बनाकर उनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बढ़ाता है। जिंक पोषक तत्वों के अवशोषण और एंजाइम निर्माण में भी सहायक है, जो पत्तियों का पीलापन दूर करता है।

#### ऐसे बढ़ेगी पैदावार



#### ■ लक्ष्मणों की ऐसे करें पहचान

जिंक की कमी होने पर पौधों की ग्रोथ धीमी हो जाती है और पौधे अपेक्षाकृत छोटे रह जाते हैं। पत्तियों पर नसों के समानांतर पीली धारियां दिखाई देने लगती हैं, जबकि नसों हरी रहती हैं। खेत के कुछ सीमित हिस्सों में ही पौधे कमजोर दिखाई देते हैं, जिससे खेत असमान नजर आने लगता है। यदि समय रहते इन लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए, तो पैदावार में भारी गिरावट आ सकती है।

#### कम लागत में अच्छी फसल का फार्मूला

सही पोषण प्रबंधन से गेहूं की खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। गेहूं की बुआई से पहले मिट्टी की जांच जरूर करानी चाहिए, जिससे स्पष्ट हो जाता है कि खेत में किस पोषक तत्व की कितनी कमी है। इसी आधार पर खाद और सूक्ष्म तत्वों का संतुलित प्रयोग करके किसान अनावश्यक खर्च से बच सकते हैं। इससे कम लागत में बेहतर गुणवत्ता वाली अधिक उपज प्राप्त कर सकते हैं।

-डॉ. के.एम. सिंह, वरिष्ठ प्रसार अधिकारी, आचार्य नरेंद्र देव कृषि वि.वि.

#### ■ सही मात्रा की जानकारी जरूरी

गेहूं की फसल में जिंक का सही उपयोग बहुत जरूरी है। बुआई के समय जिंक सल्फेट 33% की 6 किग्रा या 21% की 10 किग्रा मात्रा प्रति एकड़ पर्याप्त है। 25-30 दिन की अवस्था में जब कल्ले निकलने लगें, तो यूरिया के साथ जिंक सल्फेट का प्रयोग कर सकते हैं। जिंक सल्फेट 33% की 800 ग्राम मात्रा को 200 लीटर पानी में घोलकर या चेल्टेड जिंक 150 ग्राम प्रति एकड़ की दर से सुबह या शाम छिड़काव करें।

## घर पर गमले में उगाएं ब्लूबेरी बड़ेगी रौनक, खिलेगी सेहत

**जम्मू-कश्मीर,** हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पर्वतीय इलाकों में उगने वाली ब्लूबेरी सेहतमंद खानपान के शौकीनों में काफी लोकप्रिय है। सही तकनीक और थोड़ी देखभाल के साथ आप इसे घर पर गमले में भी उगा सकते हैं और ताजा फल का आनंद ले सकते हैं। ब्लूबेरी को गमले में उगाने से न सिर्फ पौष्टिक और स्वादिष्ट फल मिलते हैं, बल्कि यह आपकी बालकनी या किचन गार्डन की खूबसूरती को भी बढ़ाता है।

■ **एक साल का पौधा** : जल्दी फल पाने के लिए नर्सरी से एक साल का पौधा ले आएं। करीब 5-6 इंच लंबी स्वस्थ टहनी से कटिंग लगा सकते हैं। 3-4 हफ्तों में जड़ें बनना शुरू हो जाएंगी।

#### मिट्टी का पीएच और गमले का चुनाव

- ब्लूबेरी हल्की अम्लीय मिट्टी में अच्छी तरह बढ़ती है, जिसका पीएच 4.5 से 5.5 के बीच होना चाहिए। सामान्य मिट्टी को पीट मॉस, कोकोपीट और थोड़ी रेत मिलाकर अनुकूल बनाएं।
- 12-16 इंच का गमला लें, जिसमें अतिरिक्त पानी निकलने के लिए छिद्र होना चाहिए। कम्पोस्ट डालने से पौधे को पोषण मिलता है। पाइन नीडल्स, सूखे पत्ते या तकड़ी के बुरादे की मल्टिचिंग से भी लाभ होता है।

#### पूरे साल मिलेंगे फल

नर्सरी के पौधे से पहले साल में 40-100 ग्राम फल मिल सकते हैं, दूसरे साल यह मात्रा दोगुनी हो जाती है। दो अलग वैरायटी लगाकर फल का साइज-पैदावार बढ़ाई जा सकती है। सही देखभाल के साथ एक गमले से साल भर ब्लूबेरी प्राप्त होती है।



#### किचन गार्डन

## बेमौसम बारिश की मार मूंगफली पर अब बेअसर

**बेमौसम बारिश** मूंगफली किसानों के लिए गंभीर संकट बनती जा रही है। कटाई से पहले बारिश होने पर दाने खेत में ही अंकुरित होने लगते हैं, जिसे प्री-हार्वेस्ट स्ट्राउटिंग (पीएचएस) कहा जाता है। इससे उपज और गुणवत्ता दोनों पर असर पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान (इकोसैट) के जीनोमिक अध्ययन में इस चुनौती का समाधान मिल गया है। इस शोध में वैज्ञानिकों ने मूंगफली की उन किस्मों और जींस की पहचान की है, जिनमें फ्रेश सीड डर्मिसी (सुपुतावस्था) पाई जाती है। यह प्राकृतिक गुण है, जिसमें बीज अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद कुछ समय तक अंकुरित नहीं होते।



इकोसैट के जीनबैंक में संरक्षित मूंगफली की 184 किस्मों के अनुवंशिक गुणों का अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि 10-21 दिनी की डर्मिसी वाली किस्में स्वस्थ उपयुक्त हैं। जीनोमिक विवेचन के जरिए 9 प्रमुख जींस की पहचान की गई है, जो पीएचएस प्रतिरोध से जुड़े हैं।

-डॉ. हिमांशु पाठक, महानिदेशक, इकोसैट, हैदराबाद

#### आरोपी के वकील की दलील... आपसी सहमति से थे संबंध

आरोपी के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि दोनों के बीच आपसी सहमति से संबंध थे और युवती बालिंग है। दोनों 2020 से साथ रह रहे थे। आरोपी ने कभी शादी का वादा नहीं किया था।



तक पीड़िता का शोषण किया। अश्लील वीडियो के आधार पर पीड़िता को धमकाने का भी आरोप है।

#### कोर्ट की टिप्पणी... आरोपी की मंशा शुरू से ही धोखाधड़ी की, नहीं दिखाई जा सकती उदारता

कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों से पता चलता है कि आरोपी की मंशा शुरू से ही धोखाधड़ी की थी, उसने केवल अपनी इच्छापूर्ति के लिए संबंध बनाया। पीड़िता से शादी करने का उसका कोई इरादा नहीं था। मुमकिन कोर्ट के दीपक गुलाटी बनाम हरियाणा राज्य मामले का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि यदि शादी का वादा शुरू से ही झुठा हो और उसका उद्देश्य संबंध बनाने के लिए केवल महिला को सहमति पाना है, तो ऐसी सहमति शून्य मानी जाती है। कोर्ट ने इसे समाज के खिलाफ एक गंभीर अपराध माना और कहा कि ऐसे मामलों में कोई उदारता नहीं दिखाई जा सकती।

## पान मसाला विज्ञापन मामले में सलमान खान कोर्ट में तलब

**कोटा।** राजस्थान के कोटा स्थित एक उपभोक्ता अदालत ने पान मसाला के गुमराह करने वाले विज्ञापन के मामले में अभिनेता सलमान खान को मामले की अगली सुनवाई के दिन 20 जनवरी को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। अदालत ने इसी मामले में अदालत में पेश किए गए पावर ऑफ अटॉर्नी पर अभिनेता के हस्ताक्षर की फॉरेंसिक जांच का आदेश भी दिया है।

भाजपा नेता व शिकायतकर्ता वकील इंद्र मोहन सिंह हनी ने 15 अक्टूबर को कोटा उपभोक्ता अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया कि राजश्री पान मसाला और खान केसर-युक्त इलायची और केसर-युक्त पान



उपभोक्ता अदालत ने अभिनेता के हस्ताक्षर की फॉरेंसिक जांच के आदेश दिए

मसाला के नाम पर पान मसाला के विज्ञापन के माध्यम से लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि केसर 4 लाख रुपये किलो है। ऐसे में पान मसाला के 5 रुपये के पाउच में केसर कैसे हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि युवा पान मसाला के सेवन की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिसके चलते वे कैसर जैसी गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। संवाद

#### ट्रेलर और कार की टक्कर में 5 की मौत

**जयपुर।** राजस्थान के चूरू जिले में शुक्रवार शाम दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सांडवा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रेलर और एसयूवी कार के बीच हुई भीषण भिड़ंत में महिला समेत पांच लोगों की जान चली गई। पुलिस के अनुसार, हादसा उस समय हुआ, जब लालगढ़ निवासी परिवार सांडवा में पारिवारिक विवाद का निपटारा कर लौट रहा था। रास्ते में सामने से आ रहे ट्रेलर ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखचे उड़ गए और चार लोगों ने मौके पर दम तोड़ दिया। मृतकों में उममेद सिंह (55), प्रहलाद सिंह (35), दलीप सिंह (25) और राजू केंवर (40) शामिल हैं। घायल नारायण राम (60) ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। एजेंसी

## शिल्पा शेट्टी की एआई से बनी अश्लील तस्वीरों को तुरंत हटाने का आदेश

**मुंबई।** बॉम्बे हाईकोर्ट ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिये निर्मित आपत्तिजनक तस्वीरों पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने शुक्रवार को इन्हें अत्यंत विचलित करने वाला और चौंकाने वाला करार दिया। जस्टिस अद्वैत सेठना की पीठ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को ऐसी सभी लिंक और वेबसाइटों को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। शिल्पा शेट्टी ने अपनी निजता और व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि एआई दल्ल के जरिये उनकी आवाज और व्यवहार को नकल कर अश्लील तस्वीरें और वीडियो बनाए गए। अदालत ने कहा कि किसी भी महिला को उसकी सहमति के बिना इस तरह चित्रित नहीं किया जा सकता, जिससे उसके निजता के अधिकार का हनन हो। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसी हरकतों से अभिनेत्री की छवि खराब होती है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। एजेंसी

## मीरवाइज ने एक्स से हुर्रियत चेयरमैन का टाइटल हटाया

**श्रीनगर।** घाटी के धर्मगुरु व अलगाववादी नेता मीरवाइज उमर फारुक ने अपने वेरिफाइड एक्स प्रोफाइल से चेयरमैन, ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस हटा दिया है। मीरवाइज ने कहा कि उन्हें यह बदलाव करने के लिए मजबूर किया गया, जिसे उन्होंने मजबूरी का फैसला बताया।

अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि गैर का नू नी गतिविधियां अधिनियम (यूपीए) के तहत हुर्रियत के घटक पर प्रतिबंध के मद्देनजर उनका अकाउंट बंद कर दिया जाएगा। बता दें कि मीरवाइज ने एक्स हैंडल का बायो, जिसे वीरवार शाम को एडिट किया गया था, अब उसमें सिर्फ उनका नाम और बैसिक लोकेशन की जानकारी है। उनके दो लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। मीरवाइज ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, कुछ समय से अधिकारी मुझ पर हुर्रियत चेयरमैन के तौर पर मेरे एक्स (ट्विटर) हैंडल में बदलाव करने का दबाव डाल रहे थे। ब्यूरो

## संथाली भाषा में संविधान का विमोचन सराहनीय प्रयास : मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को संथाली भाषा में भारत के संविधान के विमोचन को एक सराहनीय प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि इससे सांविधानिक जागरूकता बढ़ेगी और लोकतांत्रिक भागीदारी और गहरी होगी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि देश को संथाली संस्कृति और राष्ट्र की प्रगति में संथाली लोगों के योगदान पर गर्व है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वृहस्पतिवार को एक समारोह के दौरान संथाली भाषा में भारतीय संविधान का विमोचन किया था। संथाली भारत की सबसे प्राचीन जीवित भाषाओं में से एक है। इसे 2003 के 92वें संविधान संशोधन से आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। संथाली भाषा मुख्य रूप से झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार के जनजातीय क्षेत्रों में बड़े स्तर पर बोली जाती है। एजेंसी



#### भारतीय भाषाओं के सम्मान में एक और बड़ा कदम : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को संथाली भाषा में संविधान के प्रकाशन को भारतीय भाषाओं के सम्मान की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह संथाली समुदाय के साथ-साथ पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। शाह ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि यह कदम हमारी भाषाई विरासत को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## अरावली मुद्दे पर आंकड़ों के जाल में उलझा लोगों को भ्रमित कर रही सरकार : पायलट

#### राजस्थान में अवैध खनन रोकने के लिए एनएसयूआई ने निकाला पैदल मार्च

**जयपुर।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआरएससी) महासचिव सचिन पायलट ने अरावली पर्वतमाला की नयी परिभाषा को लेकर शुक्रवार को केंद्र व राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अवैध खनन जारी है और आंकड़ों के जाल में फंसाकर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। उन्होंने नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) की तरफ से अरावली बचाओ-भविष्य बचाओ अभियान के तहत निकाले गए पैदल मार्च को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, हमें



इस बात पर चिंतन करना होगा कि ऐसी क्या मजबूरी है, जिस कारण अरावली को पहाड़ियों को भाजपा सरकार खारे में डाल रही है। आज भी सैकड़ों जगह अरावली की पहाड़ियों पर अवैध खनन जारी है। बचाओ-बच्चा जानता है। आप अदालत में क्या हलफनामा देते हैं, वह अलग बात है। पायलट ने भारतीय वन

#### नई दिल्ली। देश में कोयला व लिग्नाइट उत्पादन की गति तेज करने के लिए केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अहम फैसले में कोयला खदान नियंत्रण नियम, 2004 में संशोधन कर खदानें शुरू करने की मंजूरी प्रक्रिया सरल बना दी है। इसका मकसद बिजली उत्पादन के लिए कोयले की आपूर्ति बढ़ाना है। पुराने नियमों में नई खदान या उसके हिस्से को खोलने के लिए कोयला निर्यंत्रक संगठन से पूर्व अनुमति अनिवार्य थी। नए संशोधन के बाद, खदान शुरू करने की मंजूरी का अधिकार संबंधित कोयला कंपनी के बोर्ड के पास होगा। सुधार से खदान चालू करने में लगने वाले समय में दो माह तक कम होगा। ब्यूरो

#### विजली उत्पादन बढ़ाना है मकसद

संशोधन के बाद, खदान शुरू करने की मंजूरी का अधिकार संबंधित कोयला कंपनी के बोर्ड के पास होगा। सुधार से खदान चालू करने में लगने वाले समय में दो माह तक कम होगा। ब्यूरो

## विकसित भारत के लिए जुटे राज्यों के मुख्य सचिव

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सप्ताहांत नई दिल्ली में राज्यों के मुख्य सचिवों के पांचवें राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। 26 से 28 दिसंबर तक चलने वाले इस तीन दिनी आयोजन का राष्ट्रीय सम्मेलन मुख्य विषय की अध्यक्षता के लिए मानव पूंजी रखा गया है। इस सम्मेलन का उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच साझेदारी को मजबूत करना और भविष्य के लिए एक साझा विकास एजेंडा तैयार करना है। सम्मेलन में मुख्य रूप से बचपन की शिक्षा, स्कूली शिक्षा, कोशल विकास, उच्च शिक्षा और खेलकूद जैसी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके अलावा राज्यों में विनियमन को कम करने, सुशासन में तकनीक के उपयोग, स्मार्ट सप्लाई चेन के लिए कृषि तकनीक और वायुमयी उग्रवाद के बाद की योजनाओं जैसे विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। एजेंसी

## अरावली मुद्दे पर आंकड़ों के जाल में उलझा लोगों को भ्रमित कर रही सरकार : पायलट

#### राजस्थान में अवैध खनन रोकने के लिए एनएसयूआई ने निकाला पैदल मार्च

**जयपुर।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआरएससी) महासचिव सचिन पायलट ने अरावली पर्वतमाला की नयी परिभाषा को लेकर शुक्रवार को केंद्र व राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अवैध खनन जारी है और आंकड़ों के जाल में फंसाकर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। उन्होंने नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) की तरफ से अरावली बचाओ-भविष्य बचाओ अभियान के तहत निकाले गए पैदल मार्च को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, हमें

#### नई दिल्ली। देश में कोयला व लिग्नाइट उत्पादन की गति तेज करने के लिए केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अहम फैसले में कोयला खदान नियंत्रण नियम, 2004 में संशोधन कर खदानें शुरू करने की मंजूरी प्रक्रिया सरल बना दी है। इसका मकसद बिजली उत्पादन के लिए कोयले की आपूर्ति बढ़ाना है। पुराने नियमों में नई खदान या उसके हिस्से को खोलने के लिए कोयला निर्यंत्रक संगठन से पूर्व अनुमति अनिवार्य थी। नए संशोधन के बाद, खदान शुरू करने की मंजूरी का अधिकार संबंधित कोयला कंपनी के बोर्ड के पास होगा। सुधार से खदान चालू करने में लगने वाले समय में दो माह तक कम होगा। ब्यूरो

#### विजली उत्पादन बढ़ाना है मकसद

संशोधन के बाद, खदान शुरू करने की मंजूरी का अधिकार संबंधित कोयला कंपनी के बोर्ड के पास होगा। सुधार से खदान चालू करने में लगने वाले समय में दो माह तक कम होगा। ब्यूरो











